

//-- सुविचार --//

जोखिम अवश्य उठाना चाहिए, क्योंकि जीवन में सबसे बड़ा जोखिम है कोई जोखिम न उठाना।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:17

अस्त : 05:48

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.0	13.0
जमशेदपुर	34.0	16.0
हजारीबाग	31.0	13.0
डाल्टनगंज	33.0	12.0

संक्षिप्त खबरें

एक अप्रैल से सिर्फ फास्टेग या यूपीआई से ही कटेगा टोल टैक्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश भर के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर नकद भुगतना बंद करने का ऐलान किया है। देश में एक अप्रैल से टोल शुल्क केवल फास्टेग या यूपीआई से ही लिया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक देशभर में 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी। यह पहल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उस लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत तकनीक-आधारित, तेज और निर्बाध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक अगर कोई वाहन बिना वैध फास्टेग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे जुड़ा शुल्क लिया जाता है। वहीं यूपीआई से भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं से केवल 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। इन प्रावधानों का उद्देश्य नकद लेन-देन को हतोत्साहित करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है। एनएचएआई के आकलन में पाया गया है कि नकद भुगतान से टोल प्लाजा पर भीड़ बढ़ती है, प्रतीक्षा समय लंबा होता है और लेन-देन से जुड़े विवाद भी सामने आते हैं। डिजिटल भुगतान व्यवस्था लागू होने से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, यातायात प्रबंधन सुधरेगा और यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा। मंत्रालय ने बताया कि इस कदम से टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी, गाड़ियों की आवाजाही तेज होगी और लेन-देन में पारदर्शिता आएगी। पिछले कुछ वर्षों में फास्टेग की 98 प्रतिशत से अधिक पहुंच ने टोल वसूली की व्यवस्था को बदल दिया है। अब अधिकांश वाहन आरएफआईडी-सक्षम फास्टेग से गुजरते हैं, जिससे टोल भुगतान स्वतः हो जाता है। साथ ही यूपीआई भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को तुरंत और आसान डिजिटल विकल्प मिलता है।

ऐलान

सहिया को एकमुश्त 24000 रुपये देगी राज्य सरकार

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में सहिया दीर्घियों के लिए बड़ा ऐलान किया गया है। बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने ऐलान किया कि महिला दिवस यानी 8 मार्च को ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाली कार्यकर्ताओं के खाते में एक साथ 24,000 रुपए दिए जाएंगे। झारखंड में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सहिया वर्कर रीढ़ मानी जाती हैं। झारखंड में 43 हजार सहिया वर्कर ग्रामीण इलाकों में नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं, नल जल योजना और

अब झारखंड में भी एसआईआर की तैयारी शुरू, 13 दस्तावेज की होगी जरूरत

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। चुनाव आयोग झारखंड में वोटर लिस्ट एसआईआर अप्रैल में शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। चुनाव आयोग के निर्देश पर पिछले कई माह से साल 2003 की मतदाता सूची के आधार पर ताजा लिस्ट की मैपिंग पर काम जारी था। जानकारी के अनुसार, बृथ लेवल ऑफिसर हर घर में जाकर वोटरों की पूरी जानकारी ले रहे थे। इसके बाद परिवार के सदस्यों के आधार पर वंशावली तैयार की जा रही थी। झारखंड में एसआईआर के लिए कुल 13 दस्तावेजों की लिस्ट दी गई है। इसके साथ आधार कार्ड को

लेकर भी चुनाव आयोग ने काफी कुछ साफ कर दिया है। आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जायेगा। लेकिन तब किए गए 13 दस्तावेजों के साथ आधार को सहायक दस्तावेज यानी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट के तौर पर लिया जाएगा। लेकिन ये एकमात्र मान्य दस्तावेज की श्रेणी में नहीं रहेगा।

विसंगतियां होंगी दूर

बिहार की तरह ही झारखंड की वोटर लिस्ट में कई विसंगतियां हो सकती हैं। जैसे मृत व्यक्ति का नाम अभी भी वोटर लिस्ट में होना। जो राज्य छोड़कर कहीं और बस चुके हैं, उनका नाम वोटर लिस्ट में होना। इसके अलावा वोटर लिस्ट की अशुद्धियां जैसे गलत अंकित



जन्मतिथि, उम्र, नाम के अक्षर या स्पेलिंग में गलती, पिता/ पति के नाम में गलती को भी एसआईआर में सुधरवाया जा सकता है। इन सबके लिए कुल 13 दस्तावेज तय किए गए हैं। जिनकी लिस्ट आप नीचे देख सकते हैं।

ये होगी प्रक्रिया

झारखंड में वोटर लिस्ट एसआईआर

के लिए बिहार की तरह ही ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों मोड की सुविधा वोटरों को दी जा सकती है। ऑनलाइन मोड में वोटर अपने जरूरी दस्तावेज, तस्वीरें और दिए गए फॉर्म को भरकर सबमिट कर सकते हैं। ऑफलाइन एसआईआर के लिए बीएलओ घर-घर जाकर यही सूचना लोगों से इकट्ठी करेंगे।

एसआईआर के लिए ये होंगे जरूरी दस्तावेज

- मान्यता प्राप्त बोर्डों/ विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिक/शैक्षणिक प्रमाण पत्र
- सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया स्थायी निवास प्रमाण पत्र
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया जन्म प्रमाण पत्र
- पासपोर्ट
- केंद्र सरकार/राज्य सरकार/ पीएसयू के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश
- 01 जुलाई 1987 से पहले भारत में सरकारी/स्थानीय अधिकारियों/ बैंकों/ डाकघर/ एलआईसी/ पीएसयू द्वारा जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/प्रमाण पत्र/दस्तावेज
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां भी यह मौजूद है)
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/ एससी/ एसटी या कोई भी जाति प्रमाण पत्र
- राज्य/स्थानीय अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर
- सरकार द्वारा कोई भी जमीन/मकान आवंटन प्रमाण पत्र
- आधार के लिए, आयोग के निर्देश जो पत्र संख्या 23/2025 ईआरएस/वोलिल दिनांक 09.09.2025 (अनुलग्नक II) द्वारा जारी किए गए हैं, लागू होंगे
- पेंरेंटल मैपिंग से बाहर के वोटर के बच्चे जो नए वोटर बनने वाले हैं, उन्हें एंफिडेटविट के साथ पेंरेंटल मैपिंग के लिए दस्तावेज देना होगा।
- यदि आपका नाम 2003 के वोटर लिस्ट में झारखंड से बाहर के दूसरे राज्य में है तो वहां के वोटर लिस्ट की क्रम संख्या, विधानसभा और जिला को दर्शाती फोटो कॉपी

झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा

झारखंड में अंगदान

आयोग बनाएगी सरकार

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर हो रही चर्चा पर सरकार की ओर पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य सरकार झारखंड में अंगदान आयोग बनाएगी। उन्होंने कहा कि महज 10 महीने की बच्ची ने पूरे शरीर का अंगदान किया। उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची किसी घटना में ब्रेन डेड हो गयी गई थी और उसके माता-पिता ने अपनी बेटी के शरीर को देश को समर्पित कर दिया। बच्ची का नाम था आलम जेली अब्राहम है और उसके माता-पिता का नाम है सरीन आन जॉन और अनिल अब्राहम है। बच्ची के माता-पिता ने साहस दिखाया और बच्ची का अंगदान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के आम लोगों के जीवन बचाने के लिए सरकार आम लोगों के जीवन बचाने पर काम करेगी। ताकि अंगदान को प्रोत्साहन मिले और जिनके कोई अंग खराब हो गए हैं वह नई जिंदगी जी सके।



मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार राज्यपाल के अभिभाषण पर कोई संशोधन नहीं लाया गया जो राज्य के 25 साल के इतिहास में पहली बार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि लोग सरकार की उपलब्धियों को मानने लगे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में राज्यपाल ने जिन चीजों को सदन में रखा, ये सारी बातें आम लोगों के समक्ष हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कई कार्यों को देश के दूसरे राज्य अपना रहे हैं। झारखंड पहले दूसरे राज्यों की कॉपी करता था। वह छोटी बात नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी गठबंधन की सरकार है, जबकि डबल इंजन की सरकार का हाल भी लोगों ने देखा है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द वह दिन आयेगा

जब डबल इंजन की सरकारें धाराशाही होंगी। कई चुनौतियों के बावजूद, संविधान को, परंपराओं को हमने मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि यदि नियत साफ हो और संकल्प दृढ़ हो, तो सरकार सीमित संशोधनों में भी कई काम करती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा, अच्छी शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड 2050 तक अग्रणी राज्य बनेगा। हमारी सरकार गांव से चलने वाली सरकार है। गांव मजबूत होगा

तभी शहर राज्य मजबूत होगा, जबकि विपक्ष उल्टा गंगा बहाता है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में जो बातें कही गई हैं वहीं बातें वे भी सदन में बोलने वाले थे, लेकिन विपक्ष सुनने को तैयार नहीं है। विपक्ष में सुनने और साथ देने की मंशा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के कार्यों से घबराई हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के वैश्विक मंच पर झारखंड के विकास का परिणाम दिखने लगेगा, तो कुछ लोगों को कहीं हार्ट अटैक न आ जाए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने खुद से और राज्य की सवा तीन करोड़ जनता से वायदा किया है कि हर व्यक्ति को साथ लेकर चलेगे और देश के सबसे पिछड़े राज्य झारखंड को अग्रणी राज्य की पंक्ति में लाकर खड़ा करेंगे। यह बहुत बड़ी चुनौत है। हेमंत ने कहा कि हमारा केंद्र के साथ जो संबंध है, वह खुले तौर पर है। उस पर चर्चा की जरूरत नहीं है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही शनिवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

एआई समिट के दौरान 250 अरब डॉलर से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताएं : अश्विनी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि ईडिया एआई इम्पैक्ट समिट कई मायनों में एक बड़ी सफलता रही है। पांच लाख से अधिक आगंतुकों ने इस प्रदर्शनी का आनंद लिया, बहुत कुछ सीखा और दुनिया भर के कई विशेषज्ञों के साथ संवाद किया। एआई समिट के दौरान 250 अरब डॉलर से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निवेश प्रतिबद्धताएं हासिल की गईं। शुक्रवार को एआई समिट के बारे में आयोजित पत्रकार वार्ता में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह आंकड़ा डेटा सेंटर, कंप्यूटिंग क्षमता, डिजिटल कनेक्टिविटी और ऊर्जा प्रणालियों जैसे उन बुनियादी ढांचों में बढ़ती पूंजी रुचि को

दर्शाता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के लिए आवश्यक हैं। मंत्री ने कहा कि ये निवेश प्रतिबद्धताएं इस बात का संकेत हैं कि निवेशकों का भारत की उस क्षमता पर भरोसा बढ़ रहा है, जिसके तहत वह अमली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लगभग सभी प्रमुख एआई खिलाड़ी बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए। कई स्टार्टअप को अपने काम को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। चर्चाओं की गुणवत्ता बेहद शानदार रही। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी, मुख्य उद्घाटन समारोह और समिट को देखें, तो भागीदारी और संवाद की गुणवत्ता

असाधारण थी। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए भारत का मानव विजन- जो नैतिक, जवाबदेह और समावेशी एआई गवर्नंस के लिए मानव-केंद्रित ढांचा प्रस्तुत करता है-को ईडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान वैश्विक स्तर पर मजबूत समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि भारत की एआई नीति, जो पांच स्तरों पर एक संग्रहमंडल के समूहके विकास पर केंद्रित है, जिसको अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। इतने सीमित संसाधनों में, हमारे इंजीनियरों और शोधकर्ताओं ने इतने उत्कृष्ट मॉडल तैयार किए हैं- यह हमारे लिए बहुत बड़ी और उपयोगी उपलब्धि है।

नगर निकाय चुनाव : आज थमेगा प्रचार का शोर

कल घर-घर संपर्क साधेंगे प्रत्याशी



कड़ी फटकार और हस्तक्षेप के बाद राज्य सरकार ने चुनाव कराने का निर्णय लिया है। वर्तमान में सभी निकायों में आदर्श आचार संहिता लागू है और जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

48 नगरीय निकायों में 23 फरवरी को होंगे मतदान, तैयारी पूरी

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। राज्य भर में नगर निकाय चुनाव के प्रचार का शोर शनिवार की शाम 5 बजे के बाद थम जाएगा। इसके बाद प्रत्याशी रविवार से मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से घर-घर जाकर संपर्क साधेंगे और वोट देने की अपील करेंगे। राज्य के 48 नगरीय निकायों में होने वाले चुनाव के तहत 23 फरवरी (सोमवार) की सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग होगी। वहीं, वोटों की गिनती 27 फरवरी को होगी और इसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि झारखंड में आखिरी बार निकाय चुनाव 2018 में कराए गए थे। राज्य में ओबीसी आरक्षण और ट्रिपल टेस्ट जैसे कानूनी पेचीदगियों के कारण अब तक निकाय चुनाव टलता आ रहा था। झारखंड उच्च न्यायालय की



संक्षिप्त खबरें

आदिवासी धर्म कोड को लेकर 25 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय धरना



रांची। आदिवासी धर्म कोड की मांग को लेकर आगामी 25 फरवरी को दिल्ली के जंतर मंतर में देशव्यापी धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत की ओर से किया जा रहा है। राष्ट्रीय संयोजक देव कुमार धान ने शुक्रवार को बताया कि धरना में झारखंड, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के अगुवा एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि धरना के बाद एक ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री तथा रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया को सौंपा जाएगा।

झारखंड सरकार विधि-व्यवस्था संभालने में असफल : नीरा यादव

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक नीरा यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राज्य सरकार को भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की स्थिति, जंगली हाथियों के उपात और विकास योजनाओं में कथित अनियमितताओं जैसे कई मुद्दों को उठाते हुए सरकार को घेरा। नीरा यादव ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने रांची के कचहरी चौक पर एक किन्नर को सरेआम कुचलने के प्रयास की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विधि-व्यवस्था बनाए रखने में असफल रही है। भाजपा विधायक ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में हुए बदलावों का निज़र करते हुए कहा कि पहले 100 दिनों की रोजगार गारंटी थी, जिसे बढ़ाकर 125 दिन किया गया है और मजदूरी भुगतान 15 दिनों के भीतर करने का प्रवधान जोड़ा गया है। उन्होंने योजनाओं के नाम को लेकर हो रहे विवाद पर तंज कसते हुए कहा कि अनावश्यक राजनीतिक विवाद खड़ा किया जा रहा है। इस टिप्पणी पर सत्तापक्ष के विधायकों, जिनमें मंत्री शिल्पी नेहा तिकी और कांग्रेस विधायक अनूप सिंह शामिल थे, ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में हल्की नोकझोंक हुई। विधायक नीरा यादव ने राज्य में जंगली हाथियों के बढ़ते उपात पर चिंता जताते हुए कहा कि जंगल और पहाड़ों के लगातार नुकसान के कारण हाथियों का प्राकृतिक आवास प्रभावित हुआ है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए सभी राजनीतिक दलों से मिलकर काम करने की आवश्यकता बताई।

विधानसभा में जयराम महतो ने उठाया प्रवासी मजदूरों का मुद्दा

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रवासी मजदूरों की स्थिति, उनके निबंधन और सरकारी सहायता को लेकर सदन में गंभीर चर्चा हुई। डुमरी से विधायक जयराम महतो ने राज्य के प्रवासी मजदूरों के निबंधन पर सवाल उठाते हुए सरकार की तैयारियों पर चिंता जताई।

जयराम महतो ने सदन में कहा कि झारखंड में करीब 15 लाख प्रवासी मजदूर हैं, लेकिन उनमें से केवल 2.29 लाख मजदूरों का ही निबंधन हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य के 80 से 85 प्रतिशत मजदूरों का निबंधन ही नहीं हुआ है, तो उन्हें सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ कैसे मिलेगा।

उन्होंने सरकार से पूछा कि सभी प्रवासी मजदूरों के निबंधन के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और इस दिशा में क्या तैयारी है?



इस पर राज्य के श्रम मंत्री संजय यादव ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार मजदूरों के निबंधन को लेकर गंभीर है और इस दिशा में

लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है।

महिला दिवस पर सहिया बहनों को एकमुश्त 24000 रु का होगा भुगतान : इरफान

रांची। झारखंड की सहिया बहनों को महिला दिवस के अवसर पर एक वर्ष का 24 हजार रुपये एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। यह घोषणा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की। वे विधायक निर्मल महतो की ओर से उठाए गए सवाल का जवाब दे रहे थे। निर्मल महतो ने सदन में कहा कि राज्य की सहिया बहनें अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के बाहर धरना दे रही हैं और उन्हें नियमित भुगतान नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई की मांग की थी।

बजट सत्र के दौरान विधायक सरयू राय ने पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल में पानी की गंभीर समस्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्घाटन पर्याप्त जल व्यवस्था के बिना कर दिया गया, जिसके कारण कई बार ऑपरेशन



तक टालने पड़े। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बताया कि अस्पताल में जल व्यवस्था के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है और फिलहाल वैकल्पिक स्रोतों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। विधायक पूर्णिमा देवी ने भी कहा कि अस्पताल में महिलाओं को इलाज के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विभाग को अस्पताल की समस्याओं की पूरी जानकारी है और पानी की स्थायी व्यवस्था के लिए वाटर

ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले छह महीने के भीतर एमजीएम अस्पताल में जल आपूर्ति की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारी को इलाज उचित व्यवस्था के बिना किया जा रहा है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जुगसलाई के विधायक मंगल कालिन्दी ने सुझाव दिया कि क्षेत्र के सभी विधायक मिलकर टाटा स्टील के सहयोग से डिमना लेक से अस्पताल के लिए जल आपूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास करें। विधायकों के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सहिया बहनों के भुगतान और एमजीएम अस्पताल की जल समस्या सहित सभी मुद्दों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो और मरीजों व स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

24 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना

रांची। झारखंड में मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिल रहा है। आंशिक बादल छाने के कारण राज्य के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। राजधानी रांची सहित अन्य प्रमुख शहरों में पिछले कुछ दिनों के मुकाबले अधिकतम तापमान में कमी आई है, जिससे लोगों को हल्की ठंड का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, रांची में बुधवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को घटकर 28.6 डिग्री सेल्सियस हो गया। इसी तरह जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री से घटकर 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य जिलों में भी तापमान में मामूली गिरावट देखी गई। चाईबासा में तापमान 33.8 से घटकर 33.4 डिग्री और डालटेनगंज में 32.4 से घटकर 32 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में दिनभर मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आंशिक बादल छा गए। शाम के

समय तापमान में कमी के कारण हल्की ठंड महसूस की गई। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार को राज्य के कई जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। रविवार सुबह कुछ क्षेत्रों में कुहासा रहने की संभावना है, जबकि बाद में आसमान साफ हो सकता है। 23 फरवरी को भी आंशिक बादल रहने का अनुमान है। वहीं 24 फरवरी को राज्य के दक्षिणी और मध्यवर्ती जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। शुक्रवार को विभिन्न जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान इस प्रकार रहा। रांची में 30 और 10.3 डिग्री, जमशेदपुर में 32.8 और 13.4 डिग्री, डालटेनगंज में 32.4 और 9.3 डिग्री, बोकारो में 32.5 और 11.6 डिग्री, चाईबासा में 33.8 और 12.2 डिग्री, खूंटी में 29.7 और 13 डिग्री, लोहरदगा में 27.5 और 13 डिग्री, लातेहार में 23.8 और 13.2 डिग्री तथा सरायकेला में 33.2 और 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

55000 बिजली बिल, किन्नरों का हंगामा

रांची। शहर में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब 55 हजार रुपये का बिजली बिल आने से नाराज किन्नरों के एक समूह ने स्थानीय बिजली कार्यालय में जमकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि सामान्य खपत के बावजूद उन्हें असामान्य रूप से अधिक बिल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, किन्नर समुदाय के कुछ सदस्यों के पास पिछले महीने का बिजली बिल 55 हजार रुपये पहुंचा, जिसे देखकर वे हैरान रह गए। उनका कहना था कि वे छोटे मकान में रहते हैं और बिजली की खपत सीमित है, ऐसे में इतना अधिक बिल आना समझ से परे है। इसे विभाग की लापरवाही या मीटर की गड़बड़ी बताया जा रहा है। आक्रोशित किन्नर बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की। इस दौरान कार्यालय परिसर में काफी देर तक बहस होती



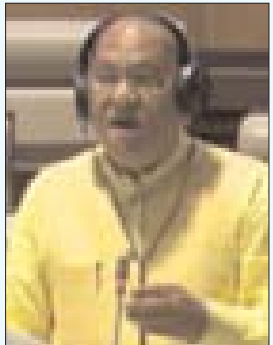
रही। किन्नरों ने चेतावनी दी कि यदि बिल में सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन तेज करेंगे। कुछ देर के लिए एमजीएम अस्पताल पर भी बिजली की खपत सीमित है, ऐसे में इतना अधिक बिल आना समझ से परे है। इसे विभाग की लापरवाही या मीटर की गड़बड़ी बताया जा रहा है। आक्रोशित किन्नर बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की। इस दौरान कार्यालय परिसर में काफी देर तक बहस होती

कही गई है। फिलहाल विभाग ने उपभोक्ताओं को अश्वस्त किया है कि जांच के बाद सही बिल जारी किया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर बिजली बिलों में संभावित गड़बड़ियों और उपभोक्ताओं की परेशानी का मुद्दा उजागर कर दिया। उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग को बिलिंग प्रणाली में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक मानसिक और आर्थिक तनाव का सामना न करना पड़े।

एक नजर

विधानसभा में विधायक सीपी सिंह ने उठाया आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति का मामला

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवाओं और खनन प्रभावित रैयतों के मुआवजे का मुद्दा विपक्ष की ओर से जोरदार तरीके से उठाया गया। आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति को लेकर सदन में विधायक सीपी सिंह और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली, वहीं विधायक जनार्दन पासवान ने खनन प्रभावित रैयतों को मुआवजा मिलने तक खनन



गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। सदन में प्रश्न उठाते हुए सीपी सिंह ने कहा कि राज्य के आयुष चिकित्सालयों में कुल 670 स्वीकृत पद हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 48 आयुष चिकित्सक ही कार्यरत हैं। उन्होंने आयुष निदेशालय के गठन और रिक्त पदों पर नियुक्ति में हो रही देरी पर सरकार से जवाब मांगा। इस पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसके लिए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) को अध्याचना भेजी जा चुकी है। मंत्री ने जवाब पर तंज कसते हुए सीपी सिंह ने कहा कि वर्ष 2022 में ही नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन चार वर्ष बीत जाने के बावजूद प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने भी पलटवार करते हुए कहा कि सात मार्च तक नियुक्ति का विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा और जल्द ही बहाली प्रक्रिया पूरी की जाएगी। विधानसभा के शून्यकाल के दौरान विधायक जनार्दन पासवान ने खनन परियोजनाओं से प्रभावित रैयतों के लंबित मुआवजे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई रैयतों को अब तक उचित और पूर्ण मुआवजा नहीं मिला है, जिससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जब तक प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक एनटीपीसी और अडानी समूह की खनन गतिविधियों पर रोक लगाई जानी चाहिए। जनार्दन पासवान ने कहा कि जमीन ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य आधार है और मुआवजा नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिला प्रशासन, कंपनियों और प्रभावित रैयतों के बीच संयुक्त बैठक कर पारदर्शी और सहमति आधारित समाधान निकाला जाए। सदन में उठे इन दोनों मुद्दों ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति और खनन प्रभावित लोगों के अधिकारों को लेकर सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े किए हैं। विपक्ष ने नियुक्तियों में देरी और मुआवजा भुगतान में लापरवाही को गंभीर विषय बताते हुए जल्द समाधान की मांग की है।

झारखंड विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा, सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर साधा निशाना

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस देखने को मिली। सत्ता पक्ष के विधायकों ने सरकार की नीतियों का बचाव करते हुए विपक्ष पर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। जनता में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय चर्चा दल (राजद) के विधायक सुरेश पासवान ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)



सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि योजनाओं और संस्थाओं के नाम बदलने से जनता की मूल समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नाम परिवर्तन की राजनीति कर रही है, जबकि जनता को रोजगार, विकास और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है। उन्होंने मनरेगा कानून का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार, सरकार को रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। राजद विधायक सुरेश पासवान ने संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी जमीन के मुद्दे को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में आदिवासियों के हितों की अनदेखी की गई। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार गरीबों और आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उस पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। इस दौरान कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने महत्वपूर्ण चर्चा के समय विपक्ष के कई सदस्यों की अनुपस्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विधानसभा की गंभीर चर्चाओं में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहा। सत्ता पक्ष ने सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को प्रमोखता से रखा, जबकि विपक्ष ने सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

पक्ष-विपक्ष नहीं करते मुद्दों पर चर्चा : जयराम महतो

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान झारखंड लोक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के विधायक जयराम महतो ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पर महत्वपूर्ण मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सदन में दोनों पक्षों की बातें सुनी गई, लेकिन जिन जमीनी और मूल मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए थी, उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जयराम महतो ने कहा कि राज्य की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था में इस तरह की स्थिति राज्यवासियों के बीच गलत संदेश देती है और इस पर सभी दलों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन से जुड़े एक तिहाई आंदोलनकारी अब इस दुनिया में नहीं रहे, जबकि उनके परिजन आज भी राज्य गठन के मूल उद्देश्यों के बारे में जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जेएलकेएम विधायक ने राज्य आंदोलनकारियों और जेल जाने वाले कार्यकर्ताओं के लिए निःशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने 1932 खतियान, सत्ता धर्म कोड और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से जुड़े मुद्दों पर सरकार से ठोस प्रश्न करने का आग्रह किया और कहा कि इन विषयों पर ठोस निर्णय राज्य के सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं।

स्वास्थ्य — रांची सदर अस्पताल में बड़ी चिकित्सीय सफलता

17 वर्षों से बढ़ रहा 5 किलो का सर्वाइकल ट्यूमर निकाला

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने एक अत्यंत जटिल सर्जरी कर 54 वर्षीय मरीज के गर्दन-पीठ (सर्वाइको-डॉर्सल) क्षेत्र में पिछले 17 वर्षों से बढ़ रहे लगभग 5 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया। मरीज को लंबे समय से भारीपन, दर्द तथा सामान्य गतिविधियों में गंभीर कठिनाई हो रही थी। ट्यूमर का आकार इतना बढ़ा हो चुका था कि मरीज का सिर झुकाना, बैठना और सोना भी कठिन हो गया था। यह मामला अत्यंत जटिल था। मरीज पहले कई बड़े अस्पतालों में दिखा चुका था, जहां सर्जरी के उच्च जोखिम और जटिलता के कारण उसे निराशा



हाथ लगी। अंततः वह आशा लेकर सदर अस्पताल, रांची पहुंचा, जहां विशेषज्ञ टीम ने चुनौती स्वीकार की। डॉ. विकास के नेतृत्व में सर्जिकल टीम ने अत्यंत सावधानी, उन्नत तकनीक तथा सूक्ष्म योजना के साथ लंबे और जटिल ऑपरेशन

द्वारा ट्यूमर को पूर्ण रूप से निकाल दिया। सर्जरी के दौरान अल्थ्रिक रक्तस्राव, महत्वपूर्ण नसों व मांसपेशियों की सुरक्षा तथा त्वचा पुनर्निर्माण जैसी चुनौतियाँ भी सफलतापूर्वक संभाली गईं। इस दौरान एनेस्थीसिया टीम में डॉ.

निरज, डॉ. वसुंधा, डॉ. ज्योतिका तथा डॉ. अंचल शामिल रहीं, जबकि ऑपरेशन थिएटर स्टाफ में संजू, नूर, मंटू तथा सरिता सुरेश ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है।

उप अधीक्षक डॉ.

बिमलेश सिंह ने कहा

यह सर्जरी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध उन्नत चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की क्षमता का प्रमाण है। ऐसे जटिल ऑपरेशन अब सदर अस्पताल में सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं।

सखिल सिन्हा डॉ.

प्रभात कुमार ने कहा

सदर अस्पताल रांची लगातार उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है और आम जनता को भरोसा दिलाती है कि गंभीर और जटिल बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में भी संभव है।

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन कोडरमा की विधायक नीरा यादव ने दाखिल-खारिज और आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में हो रही देरी का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि यह समस्या पूरे राज्य में आम हो गई है और लोगों को भूमि निबंधन के बाद भी दाखिल-खारिज कराने तथा जरूरी प्रमाण पत्र बनवाने में काफी परेशानी हो रही है। नीरा यादव ने बताया कि नियमों के अनुसार दाखिल-खारिज 30 दिनों के भीतर और आय प्रमाण पत्र 15 दिनों के भीतर जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समय सीमा तय है, तो बड़ी संख्या में लोग शिकायत लेकर क्यों आ रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि दाखिल-खारिज की तरह आय,



जाति और आवासीय प्रमाण पत्र के लिए भी नियमित कैप लगाए जाएं, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस पर मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि सरकार सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राशि सेवा गारंटी कानून 2011 के तहत सभी अंचल कार्यालयों में कार्यों के निष्पादन के लिए समय सीमा निर्धारित है। यदि कहीं देरी हो

रही है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जा सकती है और उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा के शून्यकाल में अन्य जनसरोकार से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की कट-ऑफ तिथि का मामला उठाते हुए सरकार से समय रहते स्पष्ट निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि देरी होने से हजारों छात्रों को नुकसान हो सकता है। वहीं विधायक पूर्णिमा साहू ने वीएड छात्राओं की समस्या उठाई। उन्होंने मांग की कि छात्रवृत्ति की राशि मिलने तक छात्राओं को फीस जमा करने से राहत दी जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्राएं बिना बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

12वीं के 4587 विद्यार्थियों ने दी फिजिक्स की परीक्षा

किसी को आसान लगे पेपर, तो किसी को न्यूमेरिकल ने उलझाया



नवप्रदेश/बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के क्रम में शुक्रवार को बोकारो जिले के कुल 4587 छात्र-छात्राओं ने फिजिक्स (भौतिकी) विषय की परीक्षा दी। सभी 23 केंद्रों के लिए कुल पंजीकृत 4653 परीक्षार्थियों में से 66 अनुपस्थित रहे। सीबीएसई के रिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बताया कि परीक्षा पूर्णयता शांतिपूर्ण व कदावायरमुक्त रही। पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच बच्चों ने परीक्षा दी। उन्होंने केन्द्रवार परीक्षार्थियों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर- 3सी में 273, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 4 में 593, चिन्मय विद्यालय सेक्टर- 5 में 190, होली क्रॉस स्कूल बालीडीह में 175, पिटस मॉडर्न गोमिया में 164, डीएवी पब्लिक स्कूल दोरी में 50, जीजीपीएस- 5 में 265, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 4 में 201, आदर्श विद्या मंदिर, दारभंगपुर में 154, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर- 4 में 689, डीएवी स्वांग में 186, बीआरएल डीएवी भंडारीदह में 160, श्री अख्यप्पा पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 5 में 594, पेट्रिकॉस्टल एक्सलेबी स्कूल सेक्टर-12 में 214, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सेक्टर- 6 में 107,जीजीपीएस वास में 118, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 6 में 45, होलीक्रॉस स्कूल चंदनकियारी में 13, डीएवी पब्लिक स्कूल तेनुघाट में 84, डीपीएस चास में 37, केंद्रीय विद्यालय-1 सेक्टर- 4 में 123, केंद्रीय विद्यालय सीटीपीएस चंद्रपुरा में 135 और केंद्रीय विद्यालय डीवीसी बोकारो बर्मल में 17 परीक्षार्थी शामिल हुए।

तीन साल बाद फिजिक्स के प्रश्नपत्र में मिली राहत

परीक्षा के बाद भौतिकी-विज्ञान के विशेषज्ञों ने बताया कि विगत तीन वर्षों से जिस प्रकार के वक्शन आ रहे थे और विद्यार्थियों में जो एक भय-सा था, उससे इस बार थोड़ी राहत मिली। यद्यपि बहुवैकल्पिक और केस स्टडी वाले सवाल थोड़े पविंद थे, परंतु कुल मिलाकर औसत विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र गत वर्षों की तुलना में बेहतर और आसान रहा। परीक्षा केन्द्र से बाहर निकले कुछ छात्रों ने जहां सवालों को आसान बताया, वहीं किसी ने न्यूमेरिकल के सवाल उलझाने वाले बताए। एजाम सेंटर के बाहर परीक्षार्थियों के प्रवेश और निकास के समय भारी भीड़भाड़ देखी गई। विद्यार्थी पूरे अनुशासन के साथ निर्धारित गाइडलाइन और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए परीक्षा में शामिल हुए।

ड्धर, 10वीं में व्यावसायिक विषयों के 161 अभ्यर्थी हुए शामिल

शुक्रवार को केवल एक सेंटर पर सीबीएसई 10वीं बोर्ड के व्यावसायिक विषयों की परीक्षा भी हुई, जिसमें कुल 161 छात्र-छात्रा शामिल हुए। सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार के अनुसार, चिन्मय विद्यालय स्थित सेंटर में मार्केटिंग सेल्स विषय के 49, मेट्री रिकल फाउंडेशन कॉलेज के 48 और फिजिकल एक्टिविटी ट्रेनर विषयों के 64 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

रघुनाथपुर में एक दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का हुआ आयोजन

नवप्रदेश/ईवागढ़ :- प्रखंड क्षेत्र के सितु पंचायत अंतर्गत रघुनाथपुर गांव में शुक्रवार को एक दिवसीय अखंड री नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन मंडली में झारखंड व बंगाल के विभिन्न संकीर्तन मंडली ने भाग लिया। वहीं आठोपक समिति के सदस्य डिबियो महतो ने बताया कि संकीर्तन मंडली में महिला सम्यदाय वीणा तुंगबाई (झालदा), पंचानन पालर (पॉलिट), जगन्नाथ महतो(झालदा),तलन दास (कुमारहाट),पंचानन दास (लाडुपडीह) ने हरिनाम से लोगों को भक्ति से मंत्रांत किया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य अरुण कुमार महतो,हिकीम चंद्र महतो,रघुनाथ महतो,धरम महतो, अशुभान महतो,लंकेश्वर महतो, राहेश महतो, सुधीर महतो,साधुचरण महतो,निमाई चंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

विधायक रविश्वर महतो ने कपाली में कपाली नगर परिषद अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सरवर आलम के पक्ष में किया भव्य रोड शो व पद यात्रा

कपाली की सड़को पर उमड़ा जनसैलाब

नवप्रदेश/चांडिल - कपाली नगर परिषद क्षेत्र से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सरवर आलम के समर्थन में शुक्रवार को कपाली में भव्य रोड शो व पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस रोड शो में ईवागढ़ की विधायक सविता महतो स्वयं शामिल हुईं और ऐतिहासिक जनसफरक अभियान चलाया और जनसमर्थन जुटाने के लिए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। रोड शो का शुभारंभ कामरगोड़ा से हुआ, जो विभिन्न मोहल्लों से गुजरते हुए बंशुगोड़ा में जाकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। जगह-जगह लोगों ने रोड शो का स्वागत किया और उम्मीदवार के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान विधायक सविता महतो ने कपाली की देवतुल्य जनता से अपील करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सरवर आलम को क्रम संख्या 10, चुनाव चिन्ह हक्केमराह्ल पर अपना बहुमूल्य वोट देकर भारी मतों से विजयी बनाए और कपाली के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग करें। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष डॉ. शुभेंद्र महतो, झामुमो केद्रीय सदस्य आम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, जिला सचिव बैधनाथ टुडू, धर्मु गोप, मो. अरशद, शंकर लायेक, मिलन तुंगवाई समेत सैकड़ों की संख्या में समर्थक मौजूद थे।

दलमा वन्यजीव अभयारण्य में ईको सेंसिटिव जोन के नाम पर विकास कार्य का विरोध

नवप्रदेश/चांडिल - दलमा वन्यजीव अभयारण्य में प्रस्तावित ईको सेंसिटिव जोन के नाम पर आदिवासियों और ग्राम सभाओं को नजरअंदाज कर किए जा रहे विकास कार्यों के विरोध में आगामी 25 फरवरी 2026 को दलमा के माकुलाकोवा फुटवॉल मैदान में एक विशाल महाजन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का आह्वान दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच, कोल्हान द्वारा किया गया है। आयोजकों का कहना है कि सेंसिटिव जोन के नाम पर किए जा रहे कार्य वन अधिकार अधिनियम कानून का उल्लंघन हैं और ग्राम सभाओं की सहमति के बिना किसी भी प्रकार का विकास कार्य स्वीकार नहीं है। सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के तहत दलमा तराई के विभिन्न गांवो बोडाम प्रखंड के कोयरा ग्राम सहित दलमा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। ग्रामीणों को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए 25 फरवरी को माकुलाकोवा फुटवॉल मैदान में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई। इस अवसर पर टांडगर सुकुलाल पहाड़िया,राधेश्याम सिंह सरदार,बुबन सिंह, ग्राम प्रधान अंगद सिंह,सुषेण सिंह सरदार,सनातन सिंह,विश्वनाथ सिंह,कार्तिक सिंह लाया, छट्टाला सिंह, विभीषण सिंह,कमल कान्त सिंह,नगेन सिंह, भूपति सिंह,बाघाचर सिंह सहित कई ग्रामीण प्रतिनिधियों ने क्षेत्रवासियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सम्मेलन में भाग लेने का आह्वान किया। आयोजकों ने कहा कि यह सम्मेलन ग्राम सभाओं के अधिकारों की रक्षा और वन अधिकार अधिनियम के पालन को सुनिश्चित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

अधूरे पुल का अखिलंब निर्माण की मांग



नवप्रदेश/चांडिल :- ईवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चांडिल क्षेत्र में एनएच-33 के चिलगु स्थित फोरलेन सड़क पर अधूरे पुल को लेकर विधायक सविता महतो ने विधानसभा में शून्यकाल के माध्यम से गंभीर मुद्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि फोरलेन सड़क के एक लेन में स्थित पुल का निर्माण पिछले तीन वर्षों से अधूरा पड़ा है। हाल ही में एनएचएआई द्वारा उक्त पुल को खस्त कर दिए जाने के कारण एक लेन पूरी तरह बंद हो गया है। विधायक ने कहा कि लेन बंद रहने से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। पिछले एक वर्ष में लगभग 40 लोगों की सड़क हादसों में मौत हो चुकी है, जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में जान-माल के नुकसान के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। सविता महतो ने सदन में सरकार से मांग की कि क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य अखिलंब शुरू कराया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि यह मामला जहलित और सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

अन्य सरकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्र किशोरियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सहयोगिनी संस्था के कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण तथा प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरी क्लब के माध्यम से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किशोरियों को नेतृत्व क्षमता विकास, जीवन कौशल एवं विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर चन्द्ररेखा मसीह तेलमुंगा सहिया ने किशोरियों के स्वास्थ्य, मासिक धर्म, स्वच्छता एवं पोषण पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की तथा स्वच्छता अपनाने की अपील की। कार्यशाला के दौरान

पिंड्राजोरा को प्रखंड बनाने की मांग विधानसभा में गूजी

विधायक श्वेता सिंह ने शून्यकाल में उठाया मुद्दा

नवप्रदेश/बोकारो। झारखंड विधानसभा के शून्यकाल के दौरान बोकारो की विधायक श्वेता सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पिंड्राजोरा को प्रखंड बनाए जाने का विषय सदन में उठाया।

विधायक ने कहा कि पिंड्राजोरा एवं आसपास के पंचायतों के लोगों को छोटे-छोटे प्रशासनिक कार्यों के लिए 25 से 35 किलोमीटर दूर चास प्रखंड कार्यालय जाना पड़ता है। लंबी दूरी तय करने में विशेषकर महिलाओं, वृद्धजनों, किसानों एवं जरूरतमंद लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि क्षेत्र की जनसंख्या, भौगोलिक विस्तार और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए पिंड्राजोरा को प्रखंड का दर्जा दिया जाना जरूरी है। इससे प्रशासनिक कार्यों में सुगमता आएगी तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

अध्यक्ष के माध्यम से राज्य सरकार से आग्रह करते हुए उन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता के हितों और अधिकारों के लिए उनका प्रयास आगे भी जारी रहेगा। झारखंड विधानसभा के शून्यकाल के दौरान बोकारो की विधायक श्वेता सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग – पिंड्राजोरा को प्रखंड बनाए जाने का विषय प्रमुखता से उठाया।

स्वयंसेवी गतिविधियों एवं अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। कसमार अंचल अधिकारी रेंद्र कुमार सिंह ने बाल विवाह रोकथाम से जुड़े कानून एवं प्रशासनिक भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, र्सॉन्सरशिप योजना सहित



खेराचातर मुखिया विजय कुमार जायसवाल, पोंडा मुखिया हारु रजवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सहिया, किशोरियां एवं बड़ी संख्या में किशोरी लीडर उपस्थित थी। मुख्य अतिथि बबोता कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि बाल विवाह समाज की जड़ों को कमजोर करता है, जिसे रोकने के लिए समुदाय, पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रशासन को मिलकर निरंतर

उपायुक्त ने प्राथमिक विद्यालय स्पेशल हरिजन चास का किया निरीक्षण

बच्चों से संवाद कर जानी पठन-पाठन व सुविधाओं की स्थित

नवप्रदेश/बोकारो। शुक्रवार को

उपायुक्त अजय नाथ झा ने प्राथमिक विद्यालय स्पेशल हरिजन, चास वन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कक्षाओं में जाकर बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति,



स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उपायुक्त ने संबंधित शिक्षकों को निर्देश दिया कि बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और अनुकूल वातावरण उपलब्ध

बी.एड सत्र 2023-25 का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवप्रदेश/बोकारो:- एन.पी.

टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चिरा चास, बोकारो के बी.बी.एम.के.यू. धनबाद द्वारा आयोजित बी.एड सत्र 2023-25 का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए, जिससे कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल है। इस सत्र में महाविद्यालय की छात्रा फिर्दौस खानम ने 76.57 प्रतिशत अंक प्राप्त कर डिस्टिंक्शन के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सृष्टि अग्रवाल ने 75.21 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान जैनाब नूरी ने 75.07 प्रतिशत अंक के साथ हासिल किया, जबकि कलीम अंसारी ने

75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रबंधन ने इसे शिक्षकों और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया। महाविद्यालय के सचिव प्रमोद सिंह, अध्यक्ष अविनाश उत्कर्ष, विभागाध्यक्ष (एचओडी) संजीव कुमार सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय परिवार ने विस्वास व्यक्त किया कि आने वाले सत्रों में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

फुसरो नगर परिषद चुनाव: अध्यक्ष पद प्रत्याशी सहोदरी देवी का शक्ति प्रदर्शन, जनसैलाब उमड़ा

नवप्रदेश/फुसरो/बोकारो/ फुसरो नगर परिषद चुनाव के प्रचार के अंतिम चरण में आम आदमी पार्टी एवं उलगुवान मंच समर्थित अध्यक्ष पद की प्रत्याशी सहोदरी देवी ने शुक्रवार को भव्य शक्ति प्रदर्शन किया। विशाल जुलूस और पदयात्रा के माध्यम से उन्होंने अपनी लोकप्रियता और जनसमर्थन का प्रदर्शन किया।

यह परिवर्तन यात्रा हिंदुस्तान पुल से शुरू होकर करगली गेट तक लगभग चार किलोमीटर तक

निकाली गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष समर्थक शामिल हुए। पूरे मार्ग में समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था और जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया।

इस अवसर पर सहोदरी देवी ने कहा कि फुसरो की जनता बदलाव के लिए तैयार है और बैलेट पर झाड़ू छाप के पक्ष में मतदान कर उन्हें विजयी बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने

डीईओ सह डीसी ने वार्ड 20 में मतदाता पर्ची वितरण का लिया जायजा

नवप्रदेश/बोकारो। जिला जन-सम्पर्क कार्यालय, बोकारो से जारी जानकारी के अनुसार शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 20 का औचक भ्रमण कर मतदाता पर्ची वितरण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित बीएलओ से वितरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष पंचियों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही अनुपस्थित, शिफ्टेड एवं मृत मतदाताओं की एण्ट्री सूची को अद्यतन व सुव्यवस्थित रूप से तैयार करने को कहा। डीईओ सह डीसी ने गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक आने-जाने के लिए टोटो (ई-रिस्क्या) की व्यवस्था की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि सभी जरूरतमंद मतदाता सुगमता से मतदान कर सकें। निरीक्षण के दौरान स्थानीय मतदाताओं से संवाद कर पर्ची प्राप्ति की पुष्टि की और मतदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, आपका वोट, आपका अधिकार है, सभी अनिवार्य रूप से मतदान करने जाएं। इस दौरान चास स्थित प्राथमिक विद्यालय स्पेशल हरिजन, चास वन में बने मतदान केंद्र संख्या 20-01 से 20-04 का निरीक्षण कर पेयजल, शौचालय, रैंप एवं बिजली व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मतदान दिवस से पूर्व सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें। मौके पर संबंधित प्रखंड एवं निर्वाचन पदाधिकारी भी उपस्थित थे। प्रशासन ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की बात कही है।



घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि स्कूल में चोरी की घटना गंभीर मामला है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पृच्छाछ कर रही है और संदिग्धों की पहचान की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

इस घटना से विद्यालय के शिक्षक और छात्र भी निर्व्विंत हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, रात में चौकीदार की व्यवस्था करने तथा नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा संस्थानों में इस तरह की घटनाएं प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती हैं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। विद्यालय प्रबंधन ने जिला प्रशासन से स्कूल परिसरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और शैक्षणिक वातावरण सुरक्षित बना रहे।

स्कूल के ऑफिस का ताला तोड़कर चोरी, सीसीटीवी सहित दो टीवी ले गए चोर

नवप्रदेश/बोकारो, प्रतिनिधि

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड अंतर्गत तांतरी उत्तरी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अड्डा में अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने स्कूल कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर रखे दो टीवी, जिसमें सीसीटीवी सिस्टम भी शामिल था, चोरी कर लिया और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक प्रबंधन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।



प्रभारी प्रधानाध्यापिका रीना कुमारी ने बताया कि वे रोज की तरह सुबह

लगभग आठ बजे विद्यालय पहुंचीं। उस समय कार्यालय का दरवाजा

खुला था और ताला टूटा हुआ जमीन पर पड़ा था। अंदर जांच करने पर पाया गया कि कार्यालय में लगे दोनों टीवी और सीसीटीवी सिस्टम गायब हैं। इसके बाद तुरंत विद्यालय प्रबंधन समिति और स्थानीय लोगों को सूचना दी गई। घटना की सूचना विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गिरिंद मिश्रा को दी गई, जिन्के निर्देश पर जरीडीह थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई और सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बिपिन महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और



जातियों में बंट रहा समाज

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और सामाजिक समरसता रही है। अलग-अलग भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां और जातियां होने के बावजूद देश ने एकता में अनेकता का आदर्श प्रस्तुत किया है। लेकिन विडंबना यह है कि आज राजनीति का बड़ा हिस्सा इसी विविधता को विभाजन का आधार बना रहा है। चुनावी लाभ के लिए जाति आधारित समीकरण गढ़े जा रहे हैं और समाज को वर्गों में बांटकर वोट हासिल करने की होड़ लगी है। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में माले विधायक और भाजपा विधायकों के बीच ब्राह्मणवाद शब्द को लेकर तीखी बहस हुई। सदन, जो लोकतांत्रिक विमर्श का मंच होना चाहिए, वह आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक टकराव का अखाड़ा बन गया। यह घटना केवल एक शब्द पर विवाद भर नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत है कि जातीय पहचान को राजनीतिक हथियार के रूप में कितनी आक्रमकता से इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय राजनीति में जाति का प्रभाव कोई नया नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही सामाजिक न्याय, आरक्षण और प्रतिनिधित्व के मुद्दे राजनीति के केंद्र में रहे हैं। सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास लोकतंत्र की आवश्यकता भी है। लेकिन जब सामाजिक न्याय की अवधारणा को केवल वोट बैंक की राजनीति तक सीमित कर दिया जाता है, तब यह समाज को जोड़ने के बजाय तोड़ने का माध्यम बन जाती है। आज कई राजनीतिक दल जातीय जनगणना, आरक्षण विस्तार या जाति-विशेष के सम्मान जैसे मुद्दों को इस तरह प्रस्तुत करते हैं, मानो पूरा समाज जातीय खांचों में ही सिमटा हो। इसी क्रम में यूजीसी एक्ट को लेकर देश भर में चल रही बहस ने भी सामाजिक विभाजन की रेखाओं को गहरा किया है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर विचार-विमर्श होना चाहिए, परंतु इसे भी राजनीतिक चरमपे से देखा जा रहा है। एक पक्ष इसे शैक्षणिक सुधार का प्रयास बता रहा है, तो दूसरा पक्ष इसे सामाजिक प्रतिनिधित्व और अधिकारों से जोड़कर देख रहा है। परिणामस्वरूप, मुद्दे का सार खो जाता है और समाज वैचारिक खेमों में बंटता चला जाता है। वास्तव में आम नागरिक समन्वय, विकास और स्थिरता चाहता है। वह बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की उम्मीद करता है। गांव-शहर का आम युवा जाति की दीवारों से ऊपर उठकर अवसर चाहता है। लेकिन जब राजनीतिक भाषणों में बार-बार जाति का उल्लेख होता है, जब टिकट वितरण से लेकर सत्ता सौझेदारी तक जातीय गणित ही प्राथमिक आधार बन जाता है, तब समाज में अविश्वास और प्रतियर्स्था की भावना पनपती है। लोकतंत्र में पहचान की राजनीति पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकती, क्योंकि समाज की संरचना ही विविध है। परंतु आरक्षकता इस बात को है कि राजनीति का केंद्र समावेशन हो, विभाजन नहीं। सामाजिक न्याय की अवधारणा को सकारात्मक अवसर निर्माण से जोड़ा जाए, न कि वैमानस्य से। सदन में बहस हो, पर भाषा संघर्षित हो; नीतियों पर मतभेद हों, पर समाज में दारार न पैदा हो। आज समय की मांग है कि राजनीतिक दल जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर विकास, सुशासन और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। समाज को बांटकर मिली जीत अल्पकालिक होती है, लेकिन समरसता पर आधारित राजनीति ही देश को दीर्घकालिक स्थिरता और प्रगति की ओर ले जा सकती है।

मुद्दा

कब रुकेगा हाथी-मानव संघर्ष

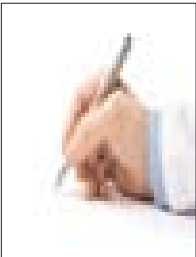
गौरीशंकर पांडेय

झारखंड के विभिन्न जिलों में इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक गहराता जा रहा है। लगातार हो रही लोगों की मौत और खेतों में खड़ी फसलों को चट कर जा रहे हाथियों के झुंड ने ग्रामीण इलाकों में भय का माहौल बना दिया है। बीते कुछ वर्षों में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं में तेजी आई है। यह केवल वन्यजीवों की समस्या नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरणीय संतुलन की गंभीर चुनौती बन चुकी है। झारखंड, जो कभी घने जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता था, आज तेजी से बदलते भू-दृश्य का साक्षी है। खनन, सड़कों, रेल लाइनों और नए आवासीय क्षेत्रों के विस्तार ने जंगलों को टुकड़ों में बांट दिया है। सबसे बड़ी समस्या एलिफेंट कॉरिडोर के लुप्त हो जाना की है। जिन पारंपरिक रास्तों से हाथियों के झुंड एक वन क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाते थे, वे अब अवरुद्ध हो चुके हैं। परिणामस्वरूप हाथियों की राह में मानव बस्तियां खड़ी हो गई हैं। दरअसल, झारखंड में आदमी की राह में हाथी नहीं आए हैं, बल्कि हाथियों की राह में मानव का बसेरा बन गया है। हाथी सदियों से जिन मांगों का उपयोग करते आए, वहां अब खेत, फसल और उद्योग स्थापित हो गए हैं। भोजन और आवास की तलाश में भटकते हाथी गांवों में घुस आते हैं। रात के अंधेरे में जब झुंड फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो ग्रामीणों का गुस्सा और भय दोनों बढ़ते हैं। कई बार लोग जान गंवा बैठते हैं, तो कई बार हाथियों को भी हिंसा का शिकार होना पड़ता है। मानव-हाथी संघर्ष की यह स्थिति केवल झारखंड तक सीमित नहीं है, लेकिन राज्य में इसकी तीव्रता चिंताजनक है। समय-समय पर मुआवजा वितरण और अलर्ट जारी करने जैसे कदम उठाए जाते हैं, परंतु यह स्थायी समाधान नहीं है। जरूरत है दीर्घकालिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की। एलिफेंट कॉरिडोर की पहचान कर उन्हें पुनर्स्थापित करना होगा। जहां संभव हो, अतिक्रमण हटाकर हाथियों के पारंपरिक मार्गों को सुरक्षित किया जाए। ग्रामीणों को जागरूक करना, सामुदायिक निगरानी दल बनाना और वैकल्पिक फसल पैटर्न को बढ़ावा देना भी जरूरी है। साथ ही, सरकार को विकास परियोजनाओं की स्वीकृति देते समय पर्यावरणीय प्रभाव का गंभीर आकलन करना होगा। जंगल केवल लकड़ी या खनिज का स्रोत नहीं, बल्कि जैव विविधता और मानव जीवन के संतुलन का आधार हैं। हाथियों का आतंक दरअसल प्रकृति के असंतुलन की चेतावनी है। यदि समय रहते एलिफेंट कॉरिडोर को बहाल नहीं किया गया और मानव अतिक्रमण पर नियंत्रण नहीं आया, तो यह संघर्ष और भयावह रूप ले सकता है। अब आवश्यकता है संवेदनशील, दूरदर्शी और ठोस कार्रवाई की, ताकि इंसान और हाथी दोनों सुरक्षित रह सकें।



योगेश कुमार गोयल

मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा।



कृतिका शर्मा

जमीन से आकाश की ओर दृष्टिकोण बदलकर, स्पेक्ट्रे कक्षा से अंतरिक्ष वस्तुओं को ट्रैक करता है। हमारा समाधान कक्षा से ट्रैक करता है, जिसका अर्थ है कि हम वायुमंडलीय विकृतियों और रेंज से जुड़ी समस्याओं को पार कर जाते हैं। अंतरिक्ष में एक गतिशील प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, दिगंतरा संपत्तियों पर एक सतत दृश्य प्राप्त करता है, जिससे अधिक बार डेटा संग्रह और कहीं अधिक सटीकता संभव होती है।

अभिव्यक्ति

पृथ्वी की निचली कक्षा में अदृश्य की निगरानी

पृथ्वी की निचली कक्षा के शांत, निर्वात-भरे विस्तार में छुपा-छुपी का एक उच्च-दांव वाला खेल चल रहा है। आज अरबों डॉलर के उपग्रहों से लेकर अंतरिक्ष मलबे के नुकीले टुकड़ों तक 24,000 से अधिक वस्तुएं शून्य में तेजी से दौड़ रही हैं। पांच वर्षों के भीतर यह संख्या 70,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। देशों के लिए चुनौती अब केवल भीड़ और टक्कर के जोखिम का प्रबंधन करना नहीं रह गई है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उनकी संपत्तियां शत्रुतापूर्ण या दुष्ट तत्वों द्वारा जानबूझकर किए जाने वाले हस्तक्षेप से सुरक्षित रहें।

अप्रत्याशित युद्धाभ्यास करता है उपग्रह

विवादित वातावरण में केवल रडार पर किसी वस्तु को देखना ही नहीं, बल्कि उसके इरादे को समझना भी आवश्यक है। जब कोई उपग्रह नहीं चाहता कि उसे पाया जाए, या जब वह कोई अप्रत्याशित युद्धाभ्यास करता है, तो पारंपरिक जमीनी-आधारित ट्रैकिंग अक्सर विफल हो जाती है। इस अंतर को पाटने के लिए, अमेरिका के रक्षा विभाग की डिफेंस इनोवेशन व्हिट ने यूएस स्पेस फोर्सेसइंडो-पैसिफिक और स्पेस डोमेन अवेयरनेस टूल्स, एप्लिकेशन्स एंड प्रोसेसिंग लैब के साथ साझेदारी में तथा भारत की इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सिलेंस के समर्थन से, ड्यूल होराइजनस् यूएस-इंडिया सैटेलाइट ट्रैकिंग चैलेंज शुरू किया, जो अंतरिक्ष-डोमेन जागरूकता की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने का एक द्विपक्षीय प्रयास है।

स्थितिजन्य जागरूकता की वास्तविकता

समस्या को समझने के लिए कल्पना कीजिए कि बिना कैमरों या जीपीएस के एक रेगिस्तान में एक स्वचालित वाहन चलाया जा रहा है। उसके स्थान की पुष्टि करने का एकमात्र तरीका यह है कि उसके किसी निश्चित, स्थिर चेकपॉइंट से गुजरने का इंतज़ार किया जाए। अब इसमें 17,000 मील प्रति घंटे की गति से चल रहे हजारों अन्य वाहनों को जोड़ दीजिए। यदि कोई वाहन अचानक मुड़ जाता है, तो वह प्रभावी रूप से प्रणाली के लिए खो जाता है।

यही पारंपरिक अंतरिक्ष स्थितिजन्य



डॉ सत्यवान सौरभ

यौनकर्मী, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है।



जागरूकता की वास्तविकता है। मानक तरीके प्र्यामुंमय कक्षीय गणित पर निर्भर करते हैं। यदि कोई उपग्रह स्क्रिप्ट के अनुसार चलता है तो हमें पता होता है कि वह कहाँ है, लेकिन आधुनिक विरोधी छुपाव और ब्लूपूर्ण युद्धाभ्यास का उपयोग करके गायब हो जाते हैं। जैसे ही कोई उपग्रह अपने अनुमानित मार्ग से विचलित होता है, उसे फिर से हासिल करने में घंटे या दिन लग सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण अवसंरचना असुरक्षित हो जाती है।

अंतरिक्ष सुरक्षा को मजबूत कर रही दिगंतरा

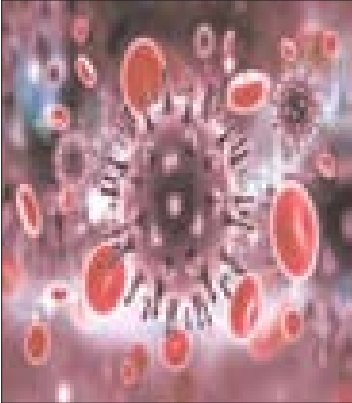
अमेरिका-भारत ड्यूल होराइजन्स चैलेंज की विजेता दिगंतरा इंडो-पैसिफिक में ब्लाइंड स्पॉट्स को समाप्त करने वाली सैटेलाइट ट्रैकिंग प्रणाली के साथ अंतरिक्ष सुरक्षा को मजबूत कर रही है। ड्यूल होराइजन्स चैलेंज के विजेताओं में से एक, बेंगलुरु स्थित स्टार्ट-अप दिगंतरा के संस्थापक अनिरुद्ध शर्मा एक बड़े भौगोलिक जोखिम की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में प्राथमिक सेंसर बनाए रखता है। शर्मा कहते हैं, इनके बीच एक बहुत बड़ा अंतर है। वे यह भी कहते हैं कि दिगंतरा इस क्षेत्र में उपग्रह गतिविधि को ट्रैक करने के लिए अमेरिकी एजेंसियों के साथ काम कर रही है।

ब्लाइंड स्पॉट्स को उजागर करने का लक्ष्य

एचआईवी : पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान-यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल सीमित समुदायों या हाथिये के समूहों से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी। राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से



अधिक लोगों का निर्वामित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है। इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने के गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी

संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है। दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी ओजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो। फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अस्सर का वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वीच्छक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं,

बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवास श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां। यौनकर्म, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा। इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और गलती के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है।

भाषाई विविधता का भविष्य : युवाओं की भूमिका निर्णायक

शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस भाषाएं मानने रखती हैं: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है तथा बहुभाषी शिक्षा: शिक्षा को बदलने की आवश्यकता थी। इससे पहले 2022 की थीम बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग: चुनौतियां और अवसर थी, जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनेों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरुआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी स्फीकुल इस्लाम ने दिया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान

लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 प्रतिशत से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब 40 प्रतिशत लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण योजना भी चलाई जा रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम

मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल, प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं की सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त आवश्यकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव का समापन

नवप्रदेश संवाददाता

दुमका। 13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव के समापन समारोह का आयोजन किया किया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जरमुंडी,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जामा,महिला महाविद्यालय छात्रावास संख्या 1 एवं महिला महाविद्यालय छात्रावास संख्या 2, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय काठीकुंड, एसपी कॉलेज गिन्धी होस्टल दुमका सहित अन्य द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि यह पूरे जिले के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि हिजला मेला की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि मेले की वास्तविक



सफलता इसी में निहित है कि बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से इसमें भाग लेने आ रहे हैं और अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिजला मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह यहां की आत्मा, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। यह मेला हमारी लोक परंपराओं, जनजातीय कला, नृत्य और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने का माध्यम बन गया है।

उपायुक्त ने आयोजन से जुड़े सभी प्रतििनयुक्त अधिकारियों, कर्मियों,

कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के समर्पण, परिश्रम और टीम भावना से ही यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि यदि आयोजन के दौरान कोई कर्मियां रही होंगी तो उन्हें गंभीरता से चिन्हित कर आगामी वर्षों में दूर किया जाएगा, ताकि मेला और भी बेहतर स्वरूप में आयोजित हो सके। उन्होंने आगे कहा कि हम सबका संकल्प है कि मेले की गरिमा, परंपरा और सांस्कृतिक अस्मिता को

अक्षुण्ण रखते हुए इसे नई पहचान दी जाए। हमारा प्रयास रहेगा कि हिजला मेला राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए और दुमका की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करे। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने अपने संबोधन में कहा कि हिजला मेला हमारी जनजातीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी पहचान और

विरासत को सहेजने का सशक्त माध्यम है। जिस प्रकार हर वर्ष लोगों की सहभागिता बढ़ रही है, वह इस आयोजन की लोकप्रियता और सामाजिक जुड़ाव का प्रमाण है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति के साथ-साथ शिक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पढ़ाई ही वह आधार है, जो समाज को आगे बढ़ाती है और नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाती है। शिक्षित युवा ही अपनी परंपराओं को समझकर उन्हें नई ऊंचाइयों तक ले

जा सकते हैं।इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मंडल ने भी अपनी बात रखी।

इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव 2026 से संबंधित स्मारिका का विधिवत विमोचन किया गया।

राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव 2026 में घड़ा उतार प्रतियोगिता में चांदो पानी मुरु टोला के टीम ने प्रथम प्रयास घड़ा उतारकर प्रथम पुरस्कार हासिल किया। इस दौरान घड़ा उतार प्रतियोगिता में भाग लिए सभी प्रतिभागियों का जिला प्रशासन द्वारा हासला बढ़ाया। आगामी नगर निकाय चुनाव के तहत बासुकीनाथ नगर पंचायत अध्यक्ष पद की भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशी पूनम देवी ने आज भव्य और ऊर्जा से भरपूर शोभा यात्रा निकालकर जनता से पुनः समर्थन एवं आशीर्वाद की अपील की। पूरा नगर जनउत्साह,विश्वास और समर्थन के रंग में रंगा नजर आया।

वार्ड 13 में चंदन प्रजापति के पक्ष में माहौल गर्म, समर्थकों ने किया व्यापक जनसंपर्क



हरिहरगंज/हरिहरगंज नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर संख्या 13 में वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी चंदन प्रजापति के समर्थन में चलाया जा रहा जनसंपर्क अभियान अब जोर पकड़ चुका है। समर्थकों की टीम ने सोमवार को घर-घर पहुँचकर मतदाताओं से संवाद किया और वार्ड की जमीनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समर्थन की अपील की।जनसंपर्क के दौरान कामोदा कुंवर, मानती देवी, लीलावती देवी, प्रतिमा देवी, सुषमा प्रजापति, सुचित प्रजापति, अनीता देवी, सौरभ पाठक एवं अंशु कुमार ने मतदाताओं को बताया कि चंदन प्रजापति वार्ड के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। सड़क, नाली, स्वच्छता और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने का आश्वासन भी दिया गया। समर्थकों ने लोगों से अपील किया कि आगामी 23 फरवरी मतदान के दिन क्रमांक 2, बेबी वॉकर चुनाव चिन्ह पर मतदान कर चंदन प्रजापति को विजयी बनाएं। अभियान के दौरान वार्डवासियों में उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोगों ने समर्थन का भरोसा दिलाया।

रिशवतखोरों पर कहर- 6000 लेते ही धराया रोजगार सेवक, ACB की कार्रवाई से मचा हड़कंप

नवप्रदेश/छतरपुर (पलामू)। भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम में एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड अंतर्गत सिलदाग पंचायत में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रिश्वतखोरी करते एक रोजगार सेवक सुनील कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोजगार सेवक लाभुक से दीदी बाड़ी योजना से जुड़े कार्य के एवज में 6000 की घूस ले रहा था। सूत्रों के मुताबिक, पीड़ित लाभुक से लगातार अवैध पैसे की मांग की जा रही थी। परेशान होकर लाभुक ने इसकी शिकायत एसबीबी से की। शिकायत मिलते ही एसबीबी ने पूरी रणनीति के तहत जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में ली, एसबीबी की टीम ने मौक़े पर ही उसे दबोच लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से पंचायत कार्यालय और आसपास के इलाके में अफ़रा-तफ़री मच गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को एसबीबी की टीम अपने साथ पुछताछ के लिए ले गई है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है, वहीं आम लोगों में खुशी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि अब रिश्वतखोरों पर कानून का डर साफ़ नज़र आने लगा है। प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान और भी तेज किया जाएगा और किसी भी स्तर पर दोषियों को बख़्शा नहीं जाएगा।

रमजान में अल्लाह गुनाहों को माफ़ करता है, नेकियों का सवाब बढ़ा देता है

नवप्रदेश/मेदिनीनगर।

रमजान के मुकद्दस महीने की शुरूआत हो चुकी है माहे रमजान का चांद दिखते ही इस महीने में मुस्लिम धर्मावलंबी सुवह सादिक से लेकर अफतावे गुरुब तक खाना पीना से लेकर सभी बुराईयों से रुक जाने और अल्लाह की इबादत करने का नाम रोजा है और इस महीने में अल्लाह ने इबादत के लिय खास नमाज तरावी को भी अदा किया जाता है इस महीने जकात और पितरा निकालने का हुकुम है जिससे गरीबों और भिरिकनो का सही हक अदा किया जा सके।

दादा भैया माता बहनों दादी नानी सभी चलों चलों मतदान करें, लिरंगा वाले शौकत खान

नवप्रदेश/पलामू। लोकतंत्र के महापर्व में राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक सह अनेक निशुल्क बैक गढ़वा के संस्थापक शौकत खान ने गढ़वा नगर परिषद के आम नागरिकों से शत-प्रतिशत वोट करने के लिए अपील करते हुए कहा कि दादा भैया माता बहनों दादी नानी बुजुर्ग हो या जवान चलों चलों 23 फरवरी को करें अपना अपना मतदान तब जाकर करें जलपान, अपने बुध पर हो छोटी लंबी या बड़ी कतार अपनी बारी का सहजता के साथ करें इंतजार और पूरे हाँसला उमंग और गौरवाँवित महसूस करते हुए अपना अपना करें मतदान, आपका एक एक वोट बहुत ही अनमोल है आपका एक वोट गढ़वा नगर परिषद को बना सकता है सुन्दर गढ़वा, स्वच्छ गढ़वा, स्वस्थ गढ़वा, खुशहाल गढ़वा, यादगार गढ़वा, ऐतिहासिक गढ़वा, स्मार्ट गढ़वा, और बहुत कुछ इसलिए आप सभी अपना महत्वपूर्ण वोट जरूर करें आपका वोट आपका अधिकार है जिसे हम सभी भारतीय नागरिकों को देश का मतदाता होने के लिए खुद से गौरवाँवित महसूस कराता है इसलिए फिर से गढ़वा नगर परिषद कि तमाम मतदाताओं से आग्रह करते हैं कि 23 फरवरी 2026 दिन सोमवार को सारा काम छोड़ दो और सबसे पहले अपने बुध पर जाकर अपना वोट दो।

नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर पूनम देवी का आत्मीय स्वागत किया

नवप्रदेश/दुमका/शहर के मार्गों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर पूनम देवी का आत्मीय स्वागत किया। मातृशक्ति,युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की बड़ी भागीदारी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि बासुकीनाथ की जनता विकास की निरंतरता और सशक्त नेतृत्व के साथ खड़ी है। हृष्यरकंडडीशन छाप का बटन दबाना है,नगर को आगे बढ़ाना हैइ जैसे नारों से वातावरण गुंज उठा।

इस अवसर पर दुमका भाजपा जिलाध्यक्ष रुपेश मंडल,पूर्व सांसद सुनील सोरेन,पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद,निर्वर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत तथा जामा से प्रत्याशी रहे सुरेश मुर्मू सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता शोभा यात्रा में शामिल हुए।

नेताओं ने अपने संबोधन में कहा



कि पूनम देवी ने अपने पूर्व कार्यकाल में विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही की जो मिसाल कायम की,उसी विश्वास के आधार पर जनता एक बार फिर उन्हें आशीर्वाद देने को तैयार है। पूनम देवी ने कहा कि उनका संकल्प है कि बासुकीनाथ को स्वच्छ,व्यवस्थित और

सुविधासंपन्न नगर के रूप में और आगे बढ़ाया जाए। सड़क, पेयजल, जल निकासी, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था को और सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने जनता से अपील की कि आगामी नगर निगम चुनाव में एयरकंडीशन के निशान पर मतदान कर विकास को इस यात्रा को और

गति दें। शोभा यात्रा में उमड़ा अपार जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि बासुकीनाथ की जनता भरोसे,कार्य और नेतृत्व की निरंतरता के पक्ष में दृढ़तापूर्वक खड़ी है। नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के तहत 23 फरवरी को

होने वाले मतदान की शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला पंचायती राज कार्यालय, दुमका के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मतदान पदाधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त ने उपस्थित मतदान पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील दायित्व है। सभी पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी सजगता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक चरण मतदान सामग्री प्राप्ति, माँक पोल, मतदाता पहचान सत्यापन,

मतदान की गोपनीयता, सहित अन्य प्रक्रिया का अक्षरशः पालन करना निवर्थाव्य है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से मतदान दिवस पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी गई तथा संभावित परिस्थितियों से निपटने के उपाय भी समझाया गया।

एक नजर

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के द्वारा सारंडा वन क्षेत्र स्थित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया गया



नवप्रदेश/पश्चिमी सिंहभूम जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अमित रेनु के द्वारा संयुक्त रूप से दुरस्थ सारंडा वन क्षेत्र स्थित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया गया। इस दौरान वरीय पदाधिकारी के द्वारा क्षेत्र में संचालित नक्सल विरोधी अभियान का क्रमवार जानकारी प्राप्त करते हुए अभियान में शामिल जवानों का हाँसला अफजाई किया गया। साथ ही भ्रमण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की भौतिक स्थिति का भी अवलोकन किया गया। अवलोकन उपरांत उपायुक्त ने कहा कि दुर्गम एवं दुरस्थ क्षेत्र में अवस्थित गांवों में विकास कार्यों का संचालन, हर हाल में सुनिश्चित हो, जिला प्रशासन इसके लिए लगातार प्रयत्नशील है और यह भ्रमण इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों को पहुंचाने के लिए क्रियाशील है। क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के लिए स्थानीय स्तर पर ही आधारभूत एवं मूलभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कर उनके जीवन यापन की शैली में बदलाव लाया जा सकता है और प्रशासन इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। इसके अलावे उक्त क्षेत्र में इको टूरिज्म एवं पर्यटन संवर्धन के तदर्थ भी आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन करते हुए संलग्न प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को पर्यटन विकास के निमित्त कार्य योजना बनाने हेतु भी निर्देशित किया गया।

आसंनबनी में संतोषी माता की पूजा अर्चना धूम धाम से संपन्न हुआ

नवप्रदेश/दुमका/झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के रानीश्वर प्रखंड के आसंनबनी में सालों साल से माता संतोषी की पूजा अर्चना किया जाता है। हर साल की भाँति इस साल भी फाल्गुन मास के प्रथम शुक्रवार में धूम धाम से पूजा अर्चना किया गया, रानीश्वर प्रखंड के विभिन्न जगह से माता की पूजा के लिए पहुंचें भक्त गण। अंचल अधिकारी शादां नुसरत ने किया बड़ी कारवाई, 50 सालों से चल रहे हटिया को किया सु व्यवस्थित।



रोड किनारे हटिया के अतिक्रमण को हटाया गया

नवप्रदेश/दुमका/झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के रानीश्वर अंचल के अंचल अधिकारी ने कर दी बड़ी कारवाई । आपको बताते चलें रानेश्वर अंचल के आसंनबनी में सालों साल से आसंनबनी में रोड किनारे अतिक्रमण कर हटिया का संचालन चल रहा था। आपको बताते चले रघुनाथपुर बरमसिया मुख्य पथ के आसंनबनी में रोड किनारे हटिया का संचालन लगभग 50 सालों से हो रहा था। लेकिन अंचल अधिकारी शादां नुसरत ने सु व्यवस्थित ढंग से हटिया संचालन करने का किया अपील ।ग्रामीणों और बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने प्रशासन को दिया साथ और आज बेहतरीन ढंग से हटिया संचालित होने लगा। इसी को लेकर अंचल अधिकारी ने सभी वर्ग के लोगों को बुको देकर किया स्वागत। पत्रकारों को भी इस मौके में किया स्वागत। इस अभियान को लेकर अंचल अधिकारी को लोगों ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हम दावे नहीं, परिणाम देने में विश्वास रखते हैं: अरुणा शंकर

नवप्रदेश/मेदिनीनगर/मेदिनीनगर नगर निगम महापौर पद की प्रत्याशी श्रीमती अरुणा शंकर जी के समर्थन में डॉ0 प्रमोद चंद्रवंशी, सहकारिता एवं वन पर्यावरण मंत्री, बिहार सरकार मेदिनीनगर नगर निगम के नवाटोली स्थित प्रधान कार्यालय में आमगन हुआ। पुष्पगुच्छ से एवं गमीजौशी से स्वागत किया गया । उन्होंने मेदिनीनगर नगर निगम के कई वार्डों की बैठको में उपस्थित हुए । मेदिनीनगर नगर निगम के विभिन्न वार्डों में जाकर लोगों से गहन जनसंपर्क किया। उन्होंने उनके मुद्दों को सुना और विकास की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भाजपा समर्थित उम्मीदवार श्रीमती अरुणा शंकर के अनुभव, और शहर के समग्र विकास के विजन को रेखांकित करते हुए सभी से पूर्ण समर्थन मांगा। उन्होंने इस निकाय चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवार श्रीमती अरुणा शंकर जी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने लोगों से बैलेट पेपर के क्रमांक 1 पर अंकित एयर कंडीशनर छाप पर मुहर लगाकर प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय मुद्दों जैसे सड़क, पानी, स्वच्छता और रोजगार पर उनके ठोस प्रस्तावों ने लोगों को प्रभावित किया। मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, चुनाव प्रभारी भानु प्रताप शाही जी,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रभात भुइया,जिला महामंत्री अर्विनाश वर्मा जी, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र पाण्डेय जी, पूर्व जिलाध्यक्ष विजयानन्द पाठक जी, भाजकुमुमो के ज्योति पाण्डेय जी आनंद शंकर जी,इंद्रजीत सिंह डिम्पल जी, विजय तिवारी,शैलेन्द्र कुमार शैलू जी आदि उपस्थित थे।

महापौर प्रत्याशी पूनम सिंह का जनसंपर्क अभियान अब और अधिक तेज और व्यापक हो गया है

नवप्रदेश/पलामू। समर्थकों और सहयोगियों के उत्साह एवं जोश के साथ लगातार विभिन्न वार्डों में तृपन्नी दौरा जारी है। चैनपुर क्षेत्र में बंहेवा, दर्जी मोहरला, सोनार मोहरला, चिरब मोहरला, कमलापुरी सहित कई क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों ने उनका स्वागत किया और अपनी समस्याएँ खुलकर सामने रखीं। जनता और व्यवसायियों ने पूर्व कार्यकाल में उत्पन्न हुए, दबाव और कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाए। पूनम सिंह ने स्पष्ट कहा कि चुनाव के बाद जनसमर्थन के बल पर हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यवसायी समाज की रीढ़ हैं—जो अपनी पूंजी और समय लगाकर शहर को आगे बढ़ाते हैं—उन्हें डराने या तोड़ने की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विकास कार्यों पर भी सवाल उठाए। शिवाजी मैदान, तालाब, नदी किनारे हमरीन ड्राइवव्ह जैसे परियोजनाओं में करोड़ों रुपये खर्च हुए, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी सवाल खड़ा करती है। इसी संदर्भ में गांधी मैदान का मुद्दा भी सामने आया। शहर के बीच बच्चों के खेलने के लिए मैदान का निर्माण निश्चित रूप से सराहनीय कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या वह आम जनता के लिए है या महापौर परिवार या उनके कुछ खास लोगों के व्यवसाय के लिए आरोप है कि मैदान में लगे उपकरण—भूत बंगला, रेल्गाड़ी, कैटीन आदि—कथित रूप से रिश्तेदारों और करीबी लोगों को दे दिए गए, जो इसे निजी व्यवसाय की तरह चला रहे हैं। यदि यह सत्य है तो पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। पूनम सिंह ने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने से पहले आत्ममंथन आवश्यक है। चुनाव मुद्दों पर होना चाहिए—समान विकास, पारदर्शिता और 3ईं वार्डों के संतुलित उत्थान पर। बाहरी चेहरों या फिल्म स्टारों के आने से शहर का विकास नहीं होता; बल्कि यहां का करोड़ों रूपए लेकर प्रचार के नाम पर मुंबई चले जाणूये डालटेनगंज मेदिनीनगर को कुछ देने नहीं आ रहे हैं यह सब भीड़ दिखने एवं दिग्भ्रमित करने का एक नया हथकंडा है जिसे जनता सब समझ रही है और खुश इसलिए है कि कमया हुआ कुछ पैसा लोगों के बीच में किसी बहाने निकल सके! विकास इमानदार नीयत और जवाबदेही से होता है। जनता अब जागरूक है और अपने हित में निर्णय लेने को तैयार है।

गोलीटाड़ के पास अनियंत्रित हाइवा पलटी, चालक गंभीर रूप से घायल मगध कोलियरी से फुलबसिया जा रहा था वाहन, स्थानीय लोगों की तत्परता से बची जान

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता

बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत गोलीटाड़ के समीप शुक्रवार को एक तेज रफ्तार हाइवा वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक की पहचान बारियातु थाना क्षेत्र के टोटीहेसला निवासी 20 वर्षीय अरविंद गंडू के रूप में की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार हाइवा वाहन मगध कोलियरी से कोयला लोड कर फूलबसिया की ओर जा रहा था। इसी दौरान गोलीटाड़ के पास अचानक वाहन

बालूमाथ में आज विराट हिंदू महासम्मेलन, मिलिंद पराडे करेंगे संबोधित चेताग पंचायत के जोगीयाडीह स्थित बिरसा मुंडा मैदान में जुटेंगे हजारों लोग

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत चेताग पंचायत के जोगीयाडीह गांव स्थित बिरसा मुंडा मैदान में शनिवार आज 21 फरवरी को विराट हिंदू महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। महासम्मेलन में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद पराडे मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।आयोजक समिति के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। आयोजन स्थल पर मंच, बैठक व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन से भी आवश्यक अनुमति एवं सहयोग प्राप्त किया गया है।आयोजकों के अनुसार, सम्मेलन का उद्देश्य सनातन समाज को संगठित करना, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को धर्मग्रंथों में बताए गए आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। महासम्मेलन में बालूमाथ समेत आसपास के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उसाह का माहौल है। आयोजन समिति ने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

ग्रामीणों ने सौपा सामूहिक आवेदन

नवप्रदेश/घाघरा। प्रखंड के चुंदरी नवाटोली गांव के ग्रामीण पिछले तीन वर्षों से भीषण बिजली संकट से जूझ रहे हैं। गांव में स्थापित 25 केवीए क्षमता का विद्युत ट्रांसफार्मर करीब तीन साल से पूरी तरह खराब पड़ा है, जिसके चलते पूरे गांव की बिजली आपूर्ति टप है। बिजली नहीं होने से गांव का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है, वहीं किसानों की सिंचाई व्यवस्था भी पूरी तरह बाधित है। इसके अलावा घरेलू कार्य, मोबाइल चार्जिंग, पंचलता व्यवस्था और छोटे-मोटे व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार बिजली

विभाग के अधिकारियों को मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। विभागीय उदासीनता से आक्रोशित ग्रामीणों ने अंततः सामूहिक हस्ताक्षर युक्त आवेदन कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गुमला को सौंपा है। आवेदन के माध्यम से ग्रामीणों ने जनहित को ध्यान में रखते हुए अविचल नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन जैसे कड़े कदम उठाने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

गुमला ने चतरा को 8 विकेट से किया पराजित

नवप्रदेश/गुमला। जेएससीए द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 23 क्रिकेट टूर्नामेंट गुमला जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत शुक्रवार को हुए मुकाबले में गुमला ने चतरा को 8 विकेट से पराजित किया। चतरा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 180 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें विशाल कमल ने नाबाद 66 रनों की पारी खेली। वहीं, गुमला की ओर से कमल ने 3, अनिकेत के 3 और राहुल ने दो विकेट झटके। जवाबी पारी खेलने उतरी गुमला की टीम ने आसानी से 27वे ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। गुमला की ओर से यमुना ने 95 और आशीषन ने नाबाद 68 रनों की पारी खेली। चतरा को ओर से विकास ने 2 विकेट झटके। शानदार बल्लेबाजी के लिए गुमला के यमुना झा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मौके पर मुख्य रूप से आरडीओ अजय यादव, अंपायर प्रशान्त कुमार , जितेंद्र कुमार, स्कोरर जुलकर नैं अहमद, जिला क्रिकेट संघ के सचिव जीतेन्द्र सिंह, मनोज चौधरी, अंकित विश्वकर्मा, ज्ञान प्रकाश, मधुसूदन उरांव, आयुष अग्रवाल, सनी साहू, विनीत नाग, शशिरंजन, पंकज कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गुमला: उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिला पुनर्वास समिति की बैठक

नवप्रदेश/गुमला। बैठक में आत्मसमर्पित उग्रवादियों को पुनर्वास नीति के तहत प्रदान किए जाने वाले सभी लाभों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान आवास संबंधी स्थिति, बीमा सुविधा, अब तक अप्राप्त लाभों के विवरण तथा रोजगार उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने कुल 8 लाभार्थियों से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक निर्णय लिए, ताकि समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पुनर्वास संबंधी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में मुख्य रूप से डीएसपी गुमला वीरेंद्र टोप्पो, जिला सामान्य शाखा पदाधिकारी सुशील खाका, एलडीएम गुमला पवन कुमार, सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।जिला प्रशासन पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति प्रतिबद्ध है और लाभार्थियों को सभी निर्धारित सुविधाएं सुनिश्चित कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

सदर अस्पताल

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा

नवप्रदेश/गुमला-उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेश पर लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास शाखा, विधा भूषण के द्वारा सदर अस्पताल गुमला का साप्ताहिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रोगी भर्ती वार्ड, सर्जिकल वार्ड, किचेन रूम, दवा वितरण कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी, एनआरसी केन्द्र सहित विभिन्न इकाइयों का जायजा लिया गया।



कालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे हाइवा सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि वाहन के अगले हिस्से को काफी क्षति पहुंची। घटना के तुरंत बाद

आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल चालक को वाहन से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल बालूमाथ सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। कई हिस्सों में आई चोटसीएचसी में तैनात चिकित्सक अशोक कुमार ने घायल का प्राथमिक उपचार

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

लातेहार नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के निमित विभिन्न गतिविधियों एवं तैयारियों की समीक्षा हेतु आज दिनांक 20.02.2026 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न कोषांगों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में कार्मिक कोषांग, सामग्री कोषांग, मतपत्र एवं मतपेटिका कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, परिवहन कोषांग, मीडिया कोषांग, हेल्प डेस्क, आदर्श आचार



संहिता कोषांग सहित अन्य संबंधित कोषांगों की अब तक की प्रगति की जानकारी ली गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कोषांग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध तरीके से अपने

नीति आयोग अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड डुमरी के विकास कार्यों की उपायुक्त द्वारा गहन समीक्षा

गुमला। आकांक्षी प्रखंड डुमरी में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ए डी पी,ए बी पी के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा निर्धारित प्रमुख संकेतकों के आधार पर विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों से अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त कर लक्ष्यों की प्राप्ति की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार, तथा शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कम वजन वाले नवजात शिशुओं की पहचान एवं सुचित प्रबंधन, पूर्ण टीकाकरण, टीबी उन्मूलन अभियान तथा सिकल सेल एनीमिया की शत-प्रतिशत जांच एवं उपचार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, जलमीनार एवं विद्युत आपूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु ठोस कदम उठाने को कहा गया। उपायुक्त ने प्राथमिकता देते हुए शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ अपनाने एवं बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार हेतु सशक्त प्रयास करने के निर्देश दिए।महिलाओं के बैंक खाते खोलने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया गया, ताकि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल सके। पशुपालन विभाग को पशुओं के नियमित टीकाकरण, पशु बीमा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं पशुपालकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने सभी विभागों को अपने-अपने विभागीय कार्यों की अद्यतन जानकारी एम आई एस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने डाटा की गुणवत्ता, समयबद्ध अद्यतन एवं नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि नीति आयोग को सटीक एवं समय पर सूचना उपलब्ध कराई जा सके।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि डुमरी प्रखंड को एक आदर्श आकांक्षी प्रखंड बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वित, योजनाबद्ध एवं परिणामोन्मुख

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस आयोजित

कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

नवप्रदेश/गुमला, आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु आयोजित साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन आज समाहरणालय परिसर में जिला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिले के दूर-दराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने उपायुक्त से प्रत्यक्ष मुलाकात कर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रस्तुत कीं। जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान जमीन विवाद, आपसी मतभेद, विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, पेंशन, आवास योजना, रोजगार उपलब्ध कराने, पेयजल समस्या, सड़क निर्माण एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी



आवेदकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया। शेष लंबित मामलों पर संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन किया जाए। उन्होंने कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।कार्यक्रम के दौरान गुमला निवासी सामरा उरांव ने राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के

किया। चिकित्सक के अनुसार युवक के सिर, पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है, हालांकि आवश्यक जांच के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की संभावना से भी इंकार नहीं किया गया है।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा

रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार तेज रफ्तार या सड़क की स्थिति हादसे की वजह हो सकती है।

क्षेत्र में बढ़ रहे सड़क हादसे

गोलीटाड़ और आसपास के इलाकों में भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा उपायों की कमी के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नियमित निगरानी और सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की है।

रन फॉर वोट

कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करें एवं प्रतिदिन प्राप्ति प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निर्देशक श्री प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निर्देशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती मेरी मड़की, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, सभी कोषांगो के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

रन फॉर वोट आयोजन शहरवासियों ने दिया सशक्त लोकतांत्रिक संदेश

23 फरवरी को सुबह 7 बजे से संस्था 5 बजे तक लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना मत अवश्य दें, आपका वोट ही आपके शहर का भविष्य तय करेगा।

गुमला: मतदाता जागरूकता बढ़ाने हेतु शुक्रवार को प्रातः 07:00 बजे स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत रन फॉर वोटह्म का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर भवन, गुमला से हुआ तथा डी०एस०पी० रोड होते हुए पालकोट रोड मार्ग से पटेल चौक तक उत्साहपूर्ण रैली निकाली गई।इस जागरूकता दौड़ में उप विभास आयुक्त गुमला दिलेश्वर महतो, अपर समाहर्ता शशिंद्र कुमार बड़ाइक, डीसीएलआर कुमार नजारत उप समाहर्ता ललन कुमार रजक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, नगर परिषद कार्यापालक पदाधिकारी,

जिला पशुपालन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी गुमला सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों एवं शहरवासियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने वोट फॉर झारखंड संदेश देते हुए पूरे शहरी क्षेत्र में मतदान के प्रति जागरूकता का आह्वान किया। जिला प्रशासन की ओर से अपील की गई कि 23 फरवरी को सुबह 7 बजे से संस्था 5 बजे तक लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना मत अवश्य दें, आपका वोट ही आपके शहर का भविष्य तय करेगा। लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक के एक-एक मत से होती है। अतः नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 में निर्भीक, निष्पक्ष एवं उत्साहपूर्वक मतदान कर अपने अधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

कटकामा ग्राम निवासी पुष्पा

मेलानी आईद ने भारतमाला परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण के संबंध में मुआवजा राशि हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित भूमि संरक्षण पदाधिकारी को आवश्यक जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए।गुमला निवासी नीलम देवी ने अबुआ आवास योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान करने का अनुरोध किया। इस पर संबंधित विभाग को जांच उपरत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायत निवारण दिवस में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निष्पादन मानवीय दृष्टिकोण अपनाने हुए किया जाए, ताकि आम जनता का जिला प्रशासन पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

भर्ती थे। ओपीडी में कुल 423 मरीजों का निबंधन किया गया तथा 20 आयुष्मान कार्ड निर्गत किए गए। अस्पताल प्रबंधन द्वारा जानकारी दी गई कि भर्ती एवं बाह्य रोगियों को यथासंभव समुचित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है तथा आवश्यकता अनुसार गंभीर मरीजों को उच्चतर संस्थानों में रेफर किया जाता है।एम्बुलेंस सुविधा के अंतर्गत कुल 101 मरीजों को अन्य प्रखंडों से सदर अस्पताल लाने-ले जाने तथा 01 मरीज को रिम्स भेजने हेतु वाहन उपलब्ध कराया गया। किचेन के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई को और

बेहतर बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।दवा वितरण कक्ष में वर्तमान में 506 प्रकार की दवाएँ उपलब्ध पाई गईं। जन औषधि केंद्र निरीक्षण के समय बंद पाया गया, जिसके संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। पदाधिकारियों एवं कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया गया। अनुपस्थित पाए गए कर्मियों से कारण पृच्छा करने के निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं दुर्गंधमुक्त बनाए रखने हेतु विशेष निर्देश दिए गए।

एक नजर

लातेहार नगर पंचायत चुनाव: आजसू पार्टी ने बिलासी तोपनो को दिया समर्थन, कहा- झामुमो को नहीं, प्रत्याशी को समर्थन



नवप्रदेश/लातेहार। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगमीं तेज हो गई है। इसी क्रम में आजसू पार्टी ने झामुमो समर्थित प्रत्याशी बिलासी तोपनो को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। हालांकि पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यह समर्थन झामुमो को नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से बिलासी तोपनो को दिया गया है। इस संबंध में आजसू जिला अध्यक्ष अमीत पांडेय ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी ने पहले सेलेस्टीन कुजूर को अपना समर्थन दिया था, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रंची स्थित राजेंद्र आर्युर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें पूर्ण आराम की सलाह दी है। स्वास्थ्य कारणों से अब वे चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में पार्टी ने विचार-विमर्श के बाद बिलासी तोपनो को समर्थन देने का निर्णय लिया। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि आजसू और भाजपा एनडीए गठबंधन के घटक दल हैं, ऐसे में भाजपा समर्थित प्रत्याशी को समर्थन क्यों नहीं दिया गया, इस पर अमीत पांडेय ने कहा कि नगर पंचायत का यह चुनाव दलगत आधार पर नहीं लड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजसू स्थानीय मुद्दों और जनहित के सवालों पर राजनीति करती है। बिलासी तोपनो लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रही हैं तथा स्थानीय समस्याओं को लेकर निरंतर संघर्ष करती रही हैं। पार्टी का मानना है कि नगर पंचायत क्षेत्र के विकास और जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए एक सक्रिय और जमीनी प्रत्याशी की आवश्यकता है। इसी सोच के तहत बिलासी तोपनो को समर्थन देने का फैसला लिया गया है। इस घोषणा के बाद नगर पंचायत चुनाव में मुकाबला और रोचक होने की संभावना है।

जन शिकायत निवारण में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को लेकर दिए कई आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश



नवप्रदेश/लातेहार उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझण्क कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अवसास दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से राशन कार्ड से नाम हटाने के संबंध में, धान क्रय केंद्र लैंस बंद रहने संबंधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। उपायुक्त निदेशानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

रमजान का पाक महीना हमें शैतान के धोखे और बुराई से बचाता है- परवेज़ आलम

नवप्रदेश/एडवोकेट मोहम्मद परवेज आलम की कलम से रमजान और शैतान के मुतालिक एक अहम,पैगाम बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम,रमजान उल मुबारक वह मुकद्दस महीना है जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों पर ख़ास रहमतें नाज़िल फरमाता है। यह महीना हमें शैतान के धोखे और बुराइयों से बचकर नेक रास्ते पर चलने की तालीम देता है।हमारे प्यारे नबी ने फरमाया, जैसा कि बयान है:रजब रमजान का महीना आता है तो जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं, जहन्नम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और शैतानों को जंजीरों में जकड़ दिया जाता है।हइसका मतलब यह है कि रमजान हमें एक सुनहरा मौका देता है कि हम शैतान के बहकावे से दूर होकर अपने दिल और किरदार को पाक करें। लेकिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि इंसान का नप्स (मन) भी कभी-कभी बुराई की तरफ ले जाता है, इसलिए हमें लगातार अल्लाह की याद, नमाज, रोजा और तिलावत-ए- में लगे रहना चाहिए।हम सब के लिए संदेश- रमजान में गुनाहों से तौबा करें- शैतान के बहकावे से बचने के लिए नमाज और दुआ को मजबूत करें झूठ, गीबत और बुरे कामों से दूर रहें गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें अपने दिल को साफ और नीयत को पाक रखें। अल्लाह तआला हम सभी को रमजान की बरकतों से भरपूर फायदा उठाने और शैतान के हर धोखे से महफूज रहने की तौफोक अता फरमाए।

नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया 8 मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नवप्रदेश/गुमला: निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने आज विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने राजकीय हरिजन मध्य विद्यालय, गुमला संख्या 9/1 एवं 9/2 चलंत बूथ संख्या 10/1 एवं 10/2 बस्ती, गुमला माहेश्वरी भवन, लोहरदगा रोड (बूथ संख्या 11/1 एवं 11/2 तथा लूथरन मिडिल स्कूल, दुनुदुरिया संख्या 1/1 एवं 1/2 का दौरा किया। उपायुक्त द्वारा कुल 8 मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी मतदान केंद्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी ए एम एफ के अंतर्गत पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, रैंप, बैठने की समुचित व्यवस्था, छाया एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से चलंत बूथों में पेयजल, शौचाक्षय एवं कालीन बिछाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने रिटर्निंग ऑफिसर सह डीसीएलआर गुमला राजीव कुमार को विधि-व्यवस्था की स्थिति पर विशेष सतर्कता बरतते हुए सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं के लिए सुगम, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस दौरान डीसीएलआर प्रशासक नगर परिरद, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता एवं तत्परता सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मतधिकार का प्रयोग कर सकें। उपायुक्त ने की अपील 23 फरवरी को आयोजित होने वाले नगर निकाय निर्वाचन के अवसर पर जिले के समस्त सम्मानित नागरिकों से आग्रह है कि वे प्रातः 7:00 बजे से संस्था 5:00 बजे के बीच अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मतधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

सबसे ज्यादा तनाव भारतीय महिलाओं में

महिलाएं घर से लेकर दफ्तर तक खुद को बेहद तनाव और दबाव में महसूस करती हैं।

यह समस्या विकासशील देशों में ज्यादा दिख रही है। लेकिन यदि ये पूछा जाए कि दुनिया में किस देश की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं तो शायद इसका जवाब आपको हैरानी और चिंता में डाल सकता है। जी हाँ, भारत की महिलाएं सबसे ज्यादा तनाव में रहती हैं और इसका खुलासा एक सर्वे में भी हो चुका है। इस सर्वे में 6,500 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। ये सर्वे तुर्की, रूस, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, चीन, थाईलैंड, भारत, मलेशिया, मेक्सिको, ब्राजील, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, स्वीडन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया में करया गया।

21 विकसित और उभरते हुए देशों में कराए गए नीलसन सर्वे में सामने आया कि तेजी से उभरते हुए देशों में महिलाएं बेहद दबाव में हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक स्थिरता और अपनी बेटियों के लिए शिक्षा के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद भी दूसरों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सर्वे में 87 प्रतिशत भारतीय महिलाओं ने कहा कि ज्यादातर समय वे तनाव में रहती हैं और 82 फीसदी का कहना है कि उनके पास आसानी करने



के लिए वक्त नहीं होता। हालाँकि तनाव में रहने के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय महिलाएं आने वाले पांच साल के दौरान अपने ऊपर ज्यादा खर्च करेंगी। 96 प्रतिशत का कहना है कि वे कपड़े खरीदेंगी जबकि 77 फीसदी कहती हैं कि वे सेहत और संरक्षा से जुड़े उत्पादों पर जब

देवी करेंगी। वही 44 फीसदी महिलाएं घर में बिजली से चलने वाली चीजें लाना चाहती हैं। सर्वे के अनुसार दुनिया भर में महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और बड़ी संख्या में नौकरियां कर रही हैं। उनके काम करने से घर की आमदनी भी बढ़ रही है। महिलाओं ने सर्वेकर्ताओं को बताया कि जब उन्हें अपने लक्ष्य मिलते हैं तो वह खुद को सशक्त महसूस करती हैं, लेकिन इससे उनका तनाव भी बढ़ता है।

तनाव और समय न होने के मामले में मेक्सिको की महिलाएं दूसरे नंबर पर हैं। वहां 74 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या से परेशान हैं। इसके बाद रूस में 69 प्रतिशत महिलाएं तनाव झेल रही हैं। सर्वे के मुताबिक इस तनाव के लिए एक हद तक सामाजिक बदलाव भी जिम्मेदार हैं। वहीं विकसित देशों में स्पेन में सबसे ज्यादा 66 प्रतिशत महिलाएं तनाव की शिकार हैं। इसके बाद फ्रांस में 65 प्रतिशत और अमेरिका में 53 प्रतिशत महिलाएं इस समस्या सजुज रही हैं। सर्वे में उभरते हुए देशों

मानती हैं कि बेटियां उनसे ज्यादा शिक्षा हासिल करेंगी और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेगी।

महिलाएं अब पहले की तरह अबला नहीं रही। चाहे राजनीति का क्षेत्र हो या तकनीक या फिर सेना का, हर क्षेत्र में महिलाओं की जबरदस्त भागीदारी है। उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार मिले हैं और आज बच्चे के अवसर भी। लेकिन ये भी सच है कि वे आज भी घर पर वे हिंसा का शिकार बनती हैं और दफ्तर में भी उनसे भेद भाव किया जाता है। मुमकिन है आप इस बात पर एकाएक यकीन न करें लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है ऐसी लाखों महिलाएँ हैं, जो जीवन में कभी ना कभी अपने पति के हाथों हिंसा का शिकार हुई हैं। ऐसा बहुत बार देखा गया है कि महिलाओं को फँसले लेता का हक नहीं दिया जाता, उन्हें खुद को हिंसा से बचाने की भी अनुमति नहीं होती। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1986 देश हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार देश में लिंग भेद खत्म करने की प्रतिज्ञा

ली है, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे हैं। 127 देश तो ऐसे हैं जो बलात्कार की सजा भी नहीं दे पाते और 61 देशों में गर्भपात पर रोक है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएन वुमन ने यह रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज से दो शताब्दी पहले केवल दो ही देशों में महिलाओं को मताधिकार था लेकिन अब लगभग हर देश में महिलाओं को यह अधिकार प्राप्त हो गया है। इसके बावजूद उनके उत्पीड़न और प्रताड़ित किए जाने की घटनाएँ सामने आती रही हैं।

महिलाओं को घर पर बुरे व्यवहार के साथ-साथ दफ्तर में भी तनाव का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है दुनिया में आधी महिलाएँ से अधिक नौकरी पेशा महिलाएँ ऐसी नौकरियाँ कर रही हैं, जहाँ वे सुरक्षित महसूस नहीं करती। इनकी संख्या करीब साठ करोड़ है और जिस तरह की नौकरियों में वे फंसी हुई हैं, वह श्रम कानूनी के दायरे से भी बाहर है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को तीस प्रतिशत कम वेतन मिलता है।

घर से दफ्तर तक भेदभाव

की 80 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीद है कि उनकी बेटी को उससे कहीं ज्यादा वित्तीय स्थिरता मिलेगी जबकि 83 फीसदी का कहना है कि उन्हें शिक्षा हासिल करने के ज्यादा मौके मिलेंगे। विकसित देशों में 40 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि उनकी बेटियों को वित्तीय स्थिति उनसे अच्छी होगी जबकि 54 प्रतिशत का अनुमान है कि उनकी बेटियाँ बेहतर शिक्षा पाएंगी। यानि सर्वे से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जैसे महिलाएं तनाव में तो हैं लेकिन यह उन्हें लक्ष्य दिया जाए तो वे खुद को सशक्त महसूस करती हैं, महिलाएं



2 ਸਿਰਦ ਸੇ ਚਰੇ

आज को दौड़-भाग भरी इस जिंदगी में स्वयं के लिए खुद के लिए और खास तौर पर मेकअप के लिए वक्त निकालना मुश्किल हो गया है। हिलाने अक्सर सोचती है कि पहले जरूरी काम निपटा लें तब तैयार हो जाएंगी। काम निपटाने-पिटाते कब ऑफिस। पार्टी में जाने का वक्त हो जाता है उन्हें नहीं चलीता और वे ठीक से तैयार हुए बिना ही निकल पड़ती हैं, फिर तब में अफसोस करती हैं। हम आपको बता रहे हैं कुछ टिप्स जिसे अपनाकर आप मिनिटों में मेकअप कर सकती हैं। मिनिट का समय निकालना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस पहले चेहरे पर फाउंडेशन व आंखों पर लाइट कलर ग आई शेडो लगाएं। चिकनीन पर लाइट शेड का ब्लश लान और होंठों पर लिप ग्लास लगाएं। इस तरह आप 2 मिनट में सॉफ्ट और सोफिस्टिकेटेड लुक के साथ तैयार हो सकती हैं। रोजमर्रा के लिए इतना मेकअप काफी है। स्थायल नी खास मौके पर जाना हो तो पहले फाउंडेशन लगाएं फिर जैम्पेट्ट से फाइनल टच दें। इस बार आंखों पर भी थोड़ा थोड़ा मेकअप करें। पहले लाइनर फिर लाइट शेड या दो शेड

Fish Bu

को मिलाकर आई शैडो लगाएं आप चाहें तो काजल भी लगा सकती हैं। चिकबोन पर हल्के पिंक या पीच शेड का ब्लश आन लगाएं। होठों का मेकअप हल्का रखें। होंठों के लिए लिप ग्लास ही काफी है।

पार्टी में यदि आप कुछ अलग और खास नजर आना चाहती हो तो मुकामअप को 10 मिनट दें। सबसे पहले वेदों के दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर, फिर कंक फाउंडेशन, काम्यूट या पैन कंक से बेस लगाएँ। आँखों के लिए ये, पर्पल जैसे शेड चुनें। साथ ही इस बार आईलाइनर, मस्कारा और काजल भी लगाएँ। ब्रश आना थोड़ा डार्क रखें या शाईन का उपयोग करें। लिपलाइनर से आउटलाइन करके लिपिस्टिक लगाएँ। अंत में लिप ब्लास से फाइनल टच दें।

शाहद के गुणकारी घरेलू नुस्खे

- हृदय की धमनी के लिए शहद बड़ा शक्तिसुवर्द्धक है। सोते वक़्त शहद व नींबू का रस मिलाकर एक ग्लास पानी पीने से कमजोर हृदय में शक्ति का संचार होता है।
- पेट के छोटे-मोटे घाव और शुष्कता की स्थिति का अल्सर शहद को दूध या चारा के साथ लेने से ठीक हो सकता है।
- सूखी खाँसी में शहद व नींबू का रस समान मात्रा में सेवन करने पर लाभ होता है।
- शहद से माँसपेशियाँ बलवती होती हैं।
- बढे हुए रक्तचाप में शहद का सेवन लहसुन के साथ करना लाभप्रद होता है।
- अदरक का रस और शहद समान मात्रा में लेकर चाटने से श्वास कष्ट दूर होता है और हिचकियाँ बंद हो जाती हैं।
- संतरीयों के छिलकों का चूर्ण बनाकर दो चम्मच शहद उसमें फेंटकर उबटन तैयार कर त्वचा पर मलें। इससे त्वचा निखर जाती है और काँतवान बनती है।
- कब्जियत में टमाटर या संतरे के रस में एक चम्मच शहद डालकर सेवन करें, लाभ होगा।

प्रेग्नेंसी में झाड़ते हैं बाल

माँ बनना किसी भी महिला की लाइफ का सबसे खुशनुमा पल होता है। लेकिन यह खुशी तब खूब होती जाती है, जब अचानक बालों का गिरना शुरू हो जाता है। प्रेमेन्सी के बाद आमतौर पर महिलाओं के बाल गिरने लगते हैं। कई महिलाएं तो यह सोच- सोचकर टैशन में आ जाती हैं कि आखिर इनका गिरना कैसे रोकें जायें। चिकित्सकों के मुताबिक, प्रेमेन्सी के दौरान हुए हार्मोनल चेंज की वजह से ऐसा होता है और जब हार्मोस नॉर्मल फेज में आने लगते हैं, तो बालों का गिरना धीरे- धीरे कम होता चला जाता है।

चिकित्सकों के अनुसार यह समस्या आमतौर पर प्रेमेन्सी के बाद या बर्थ कंट्रोल पिल्स के बंद करने पर आती है। इसके अलावा, ज्यादा ब्लीडिंग होना, स्ट्रेस और एनीमिक होना भी बालों के गिरने की एक बड़ी वजह होती है।

प्रेमेन्सी में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल काफी बढ़ जाता है। यही हार्मोन बालों की ग्रोथ बढ़ाते हैं, इसलिए प्रेमेन्सी के दौरान तो आपके बाल ना के बराबर गिरते हैं। दरअसल, हमारे 90 फीसदी बाल एक समय में बढ़ते हैं और वही 10 फीसदी (रेसिटेंट फेज)

में चले जाते हैं। प्रेग्नेंसी में रैस्टिंग फेज के बाल बढ़ते जाते हैं। जैसे ही यह लेवल बदलता है, बाल गिरना शुरू होते हैं। ऐसा पोस्ट-प्रेग्नेंसी के 3-6 महीने तक रहता है। वैसे यह भी देखने में आया है कि कुछ महिलाओं के बाल पहले जैसे घने फिर से नहीं हो पाते हैं। इनके अलावा भी बालों के गिरने की कई वजह होती हैं।

जैसे किसी हार्मोनल दवा को अचानक छोड़ना, मिस कैरिज होना, एबार्शन, हार्मोनल असंतुलन आदि। इस समस्या से निपटने के लिए खूब फल आदि खाएँ। इससे बालों को पूरे न्यूट्रिशंस मिल पाएंगे, जिससे वो कम गिरेंगे। कैलशियम, फॉलिक एसिड, विटामिन बी, सी, ई के साथ जिंक और आयरन जफ़ल की। बटर चिकन अवॉइड करें। इन्हे बजाय पिश्ता, लो फैट चीज, अंडे, बादाम, बीस और दही खाएँ। डेयरी प्रॉडक्ट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना फायदेमंद रहेगा। आयरन की क्वांटिटी भरपूर रहने से बालों की जड़ों में ब्लड फ्लो अच्छा रहता है, जिससे उनकी ग्रोथ अच्छी रहती है। इसके लिए किशमिश या मुनक्का और चौरौ जूस लेना फायदेमंद रहेगा। अंडा, खजूर, हरी सब्जियाँ भी आयरन के अच्छे स्रोत हैं। इसके साथ विटामिन सी के लिए ऑरेंज, स्ट्रॉबेरी आदि लेना न भूलें क्योंकि यह आयरन को पचाने में मदद करते हैं। खीरे के छिलके, लाल-हरी मिर्च और आलू में सिलिका होता है, जो कई तरह के विटामिंस के पाचन को आसान कर देता है। लेकिन इनका फायदा आपको पूरी तरह तभी मिल पाएगा, जब आप इनको अच्छा खाएंगे। इस सबके अलावा खूब साफ पानी लें, तकी आपका सिस्टम सही और बाल हाईड्रेट रहें।



मटर के समोसे

सामग्री-250 ग्राम मैदा, चुटकी भर अजवायन, 2 कटोरी मटर के दाने, 2 छोटे चम्मच अमचूर व लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार बारीक कटी हरी मिर्च।

विधि-मैदे में अजवायन व मोयन डालकर अच्छी तरह मिलाएँ। इसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटा गुंथ लें। भ्रवजन के लिए मूत्र को दरखा पीस लें। इसमें हरी मिर्च, लाल डालकर अच्छी तरह मिलाएँ। एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें तैया गुंथे हुए मैदे की लोई बनाकर पतली रोटी बेल लें। रोटी के बीच भर लें। इसी तरह सभी चटनी रोटी बेल करें। गंध तेल में मछ भतल लें। इसली या हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म समोसे सर्व करें।



लजीज केसर-मटर पुलाव

सामग्री- 1 कटोरी बासमती चावल, 1 कटोरी मटर, 1 चम्मच केसर, 1/2 कप दूध, 3-4 लौंग, 1 टुकड़ा दालचीनी, 2 बड़ी इलायची, 2-3 छोटी इलायची, 3-4 तेज पत्ते, 3-4 काली मिर्च, 4-5 अखरोट की गिरियों के टुकड़े, 8-10 काजू, 10-12 बादाम, 1 बड़ा चम्मच घी, थोड़ी किशमिश, नमक स्वादानुसार।

विधि- कसर को दूध में घोल लें। चावल को पानी में भिगो दें। घी गरम करके किशमिश डालकर सूखे मेवे हलके गुलाबी तलकर बाहर निकालें। सारा खड़ा गरम दूध व चावल डालकर चलाएं। ढाई कटोरी पानी, मटर, किशमिश और नमक डालकर 2-3 मिनट तक ढंक दें। परोसने के समय तले सूखे मेवों से सजाएं और सदाँ दाल का लुप्त लें।

मसाला गरम घी में डालें। आधा केसर दूध व चावल डालकर उबालें। तैयार हो जाने पर शेष केसर, दूध डालकर 2-3 मिनट तक के मौसम में गरमा-गरम केसर-मटर पलाव का लफ़्त लें।



संक्षिप्त समाचार

बिरयानी के बिल में छिपा था 70,000 करोड़ का टैक्स स्कैम, आयकर विभाग ने एआई AI की मदद से पकड़ी देश की सबसे बड़ी वित्तीय हेराफेरी **हैदराबाद,एजेंसी।**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने आयकर विभाग को एक ऐसे बड़े टैक्स स्कैम तक पहुँचाया है, जिसने पूरे देश को हैरान कर दिया है। हैदराबाद के मशहूर बिरयानी आउटलेट्स से शुरू हुई इस जांच ने फूड इंडस्ट्री के भीतर 70,000 करोड़ की रेवेन्यू चोरी का खुलासा किया है। आयकर विभाग की हैदराबाद यूनिट ने एआई टूल्स और फॉरेंसि-क डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर अरबों बिलों की बारीकी से जांच की। जांच में पाया गया कि वित्त वर्ष 2019-20 से अब तक रेस्टोरेंट्स ने जानबूझकर अपनी बिक्री के असली आंकड़े छुपाए थे। टैक्स अधिकारियों ने अपनी जांच के दौरान लगभग 60 टीबी (Terabytes) बिलिंग डेटा का विश्लेषण किया। यह डेटा एक विशेष प्वाइंट ऑफ सेल (POS) सिस्टम से जुड़ा था, जो देशभर के करीब 1.7 लाख रेस्टोरेंट्स में इस्तेमाल होता है। जांच में सामने आया कि रेस्टोरेंट मालिक कार्ड, यूपीआई और कैश के जरिए होने वाली सेल्स को सॉफ्टवेयर में दर्ज तो करते थे, लेकिन बाद में टैक्स देनदारी और जीएसटी (GST) से बचने के लिए कैश इनवॉइस के डेटा को सिस्टम से पूरी तरह डिलीट कर देते थे। इस घोटाले के सबूत मिलने के बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) ने जांच का दायरा पूरे देश में बढ़ा दिया है। शुरूआत में हैदराबाद और विशाखापत्तनम जैसे शहरों तक सीमित रही यह कार्रवाई अब देशभर के बड़े फूड चेंस तक पहुँच रही है। अधिकारियों का मानना है कि पकड़ी गई

सोने-चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक उछाल, गोल्ड 1.55 लाख के पार और चांदी 2.43 लाख प्रति किलो पहुंची, अमेरिका-ईरान तनाव से बाजार में मची खलबली **नई दिल्ली, एजेंसी।**

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के चलते सराफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज (ट3) पर सोने की कीमतें 0.2 प्रतिशत बढ़कर 1,55,365 प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गईं, जबकि चांदी 1 प्रतिशत की छछांग लगाकर 2,43,874 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई 15 दिनों की मोहलत ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर मोड़ दिया है, जिससे घरेलू बाजार में कीमती धातुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड \$4,995 के करीब बना हुआ है, वहीं डॉलर इंडेक्स की मजबूती ने वैश्विक स्तर पर कीमतों की रफ्तार को थोड़ा नियंत्रित किया है। इस बीच, भारतीय निवेशकों के लिए राहत की बात यह है कि ट3 और टएए ने कीमती धातुओं पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को वापस ले लिया है। अब गोल्ड फ्यूचर्स पर 3% और सिल्वर फ्यूचर्स पर 7% का एक्स्ट्रा मार्जिन खत्म कर दिया गया है। लूनर न्यू इयर के कारण चीन और सिंगापुर जैसे प्रमुख एशियाई बाजारों में छुट्टियां होने से भी ट्रेड वॉल्यूम पर असर पड़ा है।

कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटा

नई दिल्ली,एजेंसी।

देश में कच्चे तेल का उत्पादन जनवरी में आठ प्रतिशत घटकर 23 लाख टन रह गया। पेट्रोलिएम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) द्वारा गुरुवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी में देश में 211 लाख टन कच्चे तेल और 45 लाख टन पेट्रोलिएम उत्पादों का आयात किया गया। पिछले साल जनवरी में इनका क्रमशः 212 लाख टन और 44 लाख टन आयात हुआ था। इसके अलावा, द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात 15.3 प्रतिशत बढ़कर 280.8 करोड़ मानक घन फुट पर रहा। जनवरी में पेट्रोलिएम उत्पादों का कुल उत्पादन 0.4 प्रतिशत बढ़कर 250 लाख टन पर और खपत 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 211 लाख टन पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में वृद्धि का मुख्य योगदान रसेाई गैस का रहा जिसकी खपत में सात प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। इसमें एलपीजी की खपत 28 लाख टन से बढ़कर 30 लाख टन, पेट्रोल की 33 लाख टन से बढ़कर 35 लाख टन और डीजल की 77 लाख टन से 80 लाख टन हो गयी।

संस्थान अति उत्साही न हों, एआई का इस्तेमाल उसके विश्वसनीय होने पर ही करें: सरकारी अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के इस्तेमाल को लेकर तब तक अत्यधिक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए, जब तक उनका पूर्ण परीक्षण न हो और वे विश्वसनीय न हों। एक सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह बात की। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फोर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के उपमहानिदेशक रोहित भारद्वाज ने यहां एआई इम्पैक्ट समिट में एआई-समक्ष डेटा : नवाचार के लिए साझा अवसरंचना विषयक सत्र के दौरान कहा कि सरकारी विभागों को प्रासंगिक आंकड़ों को कंप्यूटर द्वारा पढ़े जा सकने योग्य (मशीन-रीडेबल) प्रारूप में तैयार कर उन्हें एआई-सक्षम (एआई-रेडी) बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, कॉन्टेक्ट फाइल होनी चाहिए, सिमेंटिक्स होनी चाहिए और मेटाडेटा होना चाहिए। कॉन्टेक्ट फाइल, वह फाइल है जिसमें किसी जानकारी या कार्य को सही संदर्भ में समझने के लिए आवश्यक पृष्ठभूमि विवरण होता है। सिमेंटिक्स, शब्दों या डेटा के वास्तविक अर्थ और उनके सही संदर्भ को समझने की प्रक्रिया है। मेट-डेटा, डेटा के बारे में दी गई अतिरिक्त जानकारी, जैसे उसकी तारीख, स्रोत या संरचना को कहते हैं। अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि सूचनाओं को संरचित प्रारूप में संग्रहित किया जाए ताकि वे एआई-सक्षम बन सकें। एआई समाधान को उपयोग में लाने से पहले उसके परीक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए भारद्वाज ने कनाडा के एक विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि समान प्रॉम्ट दिए जाने पर भी एआई किसी विशेष डेटा सेट का कई तरीकों से विश्लेषण कर सकता है। भारद्वाज ने कहा, मैं केवल यह कहना चाहता हूँ कि जिन चीजों का अभी परीक्षण नहीं हुआ है, उन्हें लेकर हमें अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई अपनाएं लेकिन विश्वसनीय होना चाहिए। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों या सरकारी विभागों के पास डेटा का एक सूची-पत्र (कैटलॉग) होना चाहिए। सभी फाइल पीडीएफ प्रारूप में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल होनी चाहिए।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण एआई ढांचा बनाने की योजना : जयंत चौधरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार नवाचार की अगली लहर को गति देने के लिए अनामीकृत (एनॉनिमाइज्ड) डेटा सेट पर आधारित एक पूर्ण एआई ढांचा बनाने पर विचार कर रही है। शोधकर्ताओं और स्टार्टअप को इस तक पहुंच दी जाएगी। मंत्री ने एआई प्रणालियों के लिए एक ऑडिट ट्रेल तंत्र विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा और सुझाव दिया कि भविष्य में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) जैसे संस्थान एआई मॉडल पर ऑडिट रिपोर्ट जारी कर जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं। पूर्ण एआई ढांचे (कम्प्लीट एआई स्टैक) का अर्थ है हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, डेटा और सेवाओं का ऐसा समग्र तंत्र जो कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित अनुप्रयोगों के डिजाइन, प्रशिक्षण, तैनाती एवं प्रबंधन के

लिए आवश्यक हो। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री तथा शिक्षा राज्य मंत्री चौधरी ने डेटा सेट के वर्गीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत सरकार के निर्धारित दिशा-निर्देश हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हम एक पूर्ण एआई ढांचा बनाने पर विचार कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि अनामीकृत डेटा सेट शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि नवाचार की विभिन्न परतों में मूल्य सृजन हो सके और स्टार्टअप उस डेटा के साथ काम कर सकें, जिसे सरकार और नागरिकों ने साझा किया है। मंत्री ने कहा कि नए एआई मॉडल के लिए ऑडिट ट्रेल होना आवश्यक है। उन्होंने कहा, संभव है कि भविष्य में कैग सभी एआई मॉडल पर ऑडिट रिपोर्ट जारी करे। यह एक साहसिक नया भविष्य है, लेकिन बड़े पैमाने पर साझेदारी का संतुलन भी जरूरी है। भारत की एआई पहल में सार्वजनिक-



निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल की भूमिका का उल्लेख करते हुए चौधरी ने कहा कि पीपीपी में सबसे महत्वपूर्ण पी

यानी पीपल (लोग) हैं, जो मानव और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एआई से जुड़े शुरूआती

भारत, अमेरिका के अधिकारी 23 फरवरी से करेंगे तीन दिवसीय बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए तीन दिवसीय बैठक 23 फरवरी से अमेरिका में शुरू होगी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी कर यह घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा तय कर ली गई है। संयुक्त बयान में समझौते की मुख्य रूपरेखा तय की गई। अब इन बिंदुओं को एक औपचारिक कानूनी समझौते में बदला जाएगा, जिस पर दोनों पक्ष हस्ताक्षर करेंगे। इस पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि भारतीय



और अमेरिकी दल सोमवार से अपनी तीन दिवसीय बैठक शुरू करेंगे। भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं मुख्य वाताकार दर्पण जैन करेंगे। अंतरिम व्यापार समझौते के तहत, दोनों पक्ष आपस में व्यापार किए जाने वाले कई वस्तुओं पर

शुल्क रियायतें देंगे। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। साथ ही, रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क को पहले ही समाप्त किया जा चुका है।

IMF ने भारत को बताया दुनिया का ग्रोथ इंजन, विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3 किया, लेकिन सरकारी खर्च और कर्ज को लेकर दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर मुहर लगाते हुए इसे वैश्विक विकास का मुख्य इंजन करार दिया है। वाशिंगटन में जारी ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में IMF ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया है। प्रवक्ता जूली कोजाक के अनुसार, भारत इस समय दुनिया की किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में सबसे शानदार प्रदर्शन कर रहा है। IMF ने विशेष रूप से बुनियादी ढांचे (Infrastructure) पर सरकार द्वारा किए जा रहे निवेश और डिजिटल विजन की सराहना की है, जो भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थिति में खड़ा करता है। शानदार विकास दर की तारीफों के बीच, IMF ने मोदी सरकार



को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की सख्त नसीहत भी दी है। फंड ने आगाह किया है कि भारत को अपने राजकोषीय घाटे (Fiscal Deficit) को कम करने के लक्ष्य से नहीं भटकना चाहिए और भविष्य के संकटों से निपटने के

लिए एक मजबूत वित्तीय बफर तैयार करना चाहिए। IMF चीफ क्रिस्टालिना जोर्जीवां ने संकेत दिया कि वर्तमान में राजस्व का एक बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च हो रहा है। यदि सरकार अपने खर्चों पर नियंत्रण कर कर्ज

घटाती है, तो उस पूंजी का बेहतर उपयोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में किया जा सकेगा। IMF की इस चेतावनी का सीधा असर महंगाई और बाजार की स्थिरता पर पड़ सकता है। जानकारों का मानना है कि राजकोषीय अनुशासन का पालन करने से बाजार में ब्याज दरें स्थिर रहेंगी और महंगाई पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही, IMF ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और टेक्नोलॉजी सेक्टर की क्षमता को

भविष्य के लिए गेम-चेंजर बताया है। हालांकि, सरकार के लिए चुनौती यह होगी कि वह विकास को इस तेज रफ्तार को बनाए रखते हुए अपने वित्तीय घाटे को कैसे संतुलित करती है, ताकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था सुरक्षित बनी रहे।

ओमनीटेक इंजीनियरिंग का 583 करोड़ का आईपीओ 25 फरवरी से खुलेगा, 227 का प्राइस बैंड तय, राजकोट में नई यूनिट्स लगाने की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी।

इंजीनियरिंग सेक्टर की प्रमुख कंपनी ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने शेयर बाजार में अपनी एंट्री की तारीखों का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 583 करोड़ का आईपीओ (IPO) आम निवेशकों के लिए 25 फरवरी को खुलेगा और 27 फरवरी को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए 216 से 227 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। एंकर निवेशकों के लिए यह खिड़की 24 फरवरी को ही खुल जाएगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 5 मार्च को एनएसई और बीएसई पर होने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग गेन का मौका मिल सकता है। इस आईपीओ के तहत कंपनी 418 करोड़ के फ्रेश शेयर जारी करेगी, जबकि 165 करोड़ का हिस्सा ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए प्रवर्तकों द्वारा बेचा जाएगा। छोटे निवेशकों के लिए कम से कम एक लॉट यानी 66 शेयरों का आवेदन करना अनिवार्य होगा। ऊपरी प्राइस बैंड के हिसाब से एक लॉट के लिए न्यूनतम 14,982 का निवेश करना होगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस राशि का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर खर्च किया जाएगा। राजकोट में दो नई मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स के आने से कंपनी के भविष्य की ग्रोथ को मजबूती मिलने की संभावना है। गुजरात के राजकोट स्थित ओमनीटेक इंजीनियरिंग अपने



उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियरिंग पार्ट्स के लिए जानी जाती है, जिसकी मांग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में है। निर्यात पर मजबूत पकड़ और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बढ़ते निवेश को देखते हुए बाजार के जानकार इस इश्यू को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, कंपनी ने निवेश-

कों को सलाह दी है कि वे आवेदन करने से पहले सेबी (राइड) की वेबसाइट पर उपलब्ध रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस का गहन अध्ययन करें। राजकोट की इस कंपनी के बाजार में कदम रखने से इंजीनियरिंग सेक्टर के प्रति निवेशकों का आकर्षण और बढ़ने की उम्मीद है।

नीतिगत विमर्श जैसे गोपनीयता, भरोसा, डेटा संप्रभुता और रोजगार पर प्रभाव के दौरान भारत ने नवाचार को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा, सुरक्षा उपाय आवश्यक हैं, लेकिन हम नवाचार की संभावनाओं को बाधित नहीं करना चाहते। इंडिया एआई मिशन के तहत देश ने प्रारंभ में 18,000 जीपीयू का लक्ष्य रखा था, जिसे पार करते हुए यह संख्या 38,000 से अधिक हो चुकी है। वर्ष के अंत तक कंप्यूट क्षमता एक लाख जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) से अधिक होने का अनुमान है। चौधरी ने कहा, यह पूरी कंप्यूट सुविधा पीपीपी मॉडल पर आधारित है। इसे शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित किया जाना चाहिए ताकि हमारे प्रमुख संस्थानों में वास्तविक शोध को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने इसे भारत में अकादमिक और उद्योग के सहयोग के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण बताया।

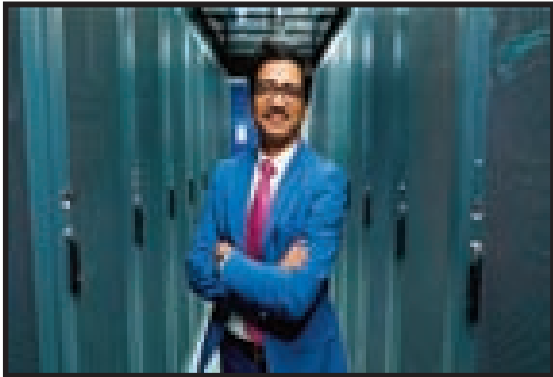
एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका : पिचाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी की कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों तक और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका है। उन्होंने यहां एआई इम्पैक्ट समिट में भारत और अमेरिका द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले कहा कि गूगल को दोनों देशों के बीच रूपक और वास्तविक तरीके से संपर्क सेतु के रूप में सेवा देने पर गर्व है। पिचाई ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग एआई के लाभों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पिचाई ने कहा, कल उद्घाटन सत्र में मैंने एआई के बेहतरीन दौर पर अपने विचार साझा किए थे। मैंने कहा था कि हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के एक युग की दहलीज पर हैं लेकिन सर्वोत्तम परिणामों की गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा, हमें मिलकर काम करना होगा ताकि एआई के लाभ सभी लोगों तक और हर स्थान पर उपलब्ध हों। अमेरिका-भारत साझेदारी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। पिचाई ने कहा कि कंपनी को अमेरिका और भारत के बीच रूपक व वास्तविक,



दोनों ही तरीकों से एक संपर्क सेतु के रूप में काम करने पर गर्व है। उन्होंने विस्तार से बताया कि दोनों देशों में गूगल के दल उसकी कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर निर्बाध रूप से साथ काम कर रहे हैं। भारत से शुरू हुए नवाचार, जैसे गूगल पे.. दुनिया भर के लोगों के लिए उत्पादों को बेहतर बना रहे हैं। भारत को लेकर उत्साह जताते हुए पिचाई ने कहा, मेरा मानना है कि एआई के क्षेत्र में भारत की प्रगति असाधारण रहने वाली है और हम उत्पादों के विस्तार एवं बुनियादी ढांचे सहित पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ इसका समर्थन कर रहे हैं।

एआई संप्रभुता का मतलब दुनिया से अलग होकर सबकुछ खुद करना नहीं : सुनील गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी।

गोड्डा डेटा सर्विसेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुनील गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) संप्रभुता का मतलब अलग-थलग पड़ना या पूर्ण आत्मनिर्भरता नहीं है, बल्कि रणनीतिक नियंत्रण है। एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में गुप्ता ने जोर दिया कि प्रौद्योगिकी में परस्पर वैश्विक निर्भरता अपरिहार्य है। उन्होंने कहा, हम दुनिया भर में हमेशा परस्पर जुड़े और एक-दूसरे पर निर्भर रहेंगे। गुप्ता ने कहा कि कुछ देश चिप विनिर्माण में आगे होंगे, तो कुछ कच्चे माल, डेटा, मॉडल, प्रतिभा या पूंजी में उक्तूट होंगे इसलिए सहयोग आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभुता का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ देश में ही बनाने की कोशिश की जाए या खुद को दुनिया से अलग कर लिया जाए। इस्का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि कोई एक देश या कंपनी किसी राष्ट्र के डिजिटल भविष्य को नियंत्रित न कर सके। गुप्ता ने कहा, संप्रभुता को अक्सर इस विचार से प्रेरित किया जाता है कि हम सब कुछ खुद करेंगे और दुनिया से अलग हो जाएंगे लेकिन संप्रभुता का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हम अलग-थलग पड़ जाएं और सब कुछ खुद करने लगे। उन्होंने कहा कि मुख्य कंप्यूटर अवसरंचना को राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर और घरेलू नियंत्रण में रखना बेहद महत्वपूर्ण है,

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी, सेंसेक्सर 122 अंक उछला

नई दिल्ली,एजेंसी।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। कारोबार की शुरुआत में घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। हालांकि, बाद में खुद को संभालते हुए हरे निशान पर आ गया है। दोनों सूचकांक में फिलहाल तेजी कायम है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्सक 121.68 अंक यानी 0.15 फीसदी की उछाल के साथ 82,619.82 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्ससचेंज (एनएसई) का निफ्टी 45.85 अंक यानी 0.18 फीसदी बढ़त के साथ 25,500.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार में आज के कारोबार में आईटी शेयरों में बिकवाली है। वहीं, सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी है। इसके अलावा शुरूआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 27 पैसे गिरकर 90.95 के स्तर पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1236.11 अंक यानी 1.48 फीसदी लुढ़ककर 82,498.14 के स्तर पर बंद हुआ।

भूमि विवाद व रंगदारी प्रकरण में रामनगर राज परिवार के राजा संजय विक्रम शाह गिरफ्तार

नवप्रदेश, रामनगर : पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आई है। भूमि विवाद एवं रंगदारी से जुड़े मामले में रामनगर राज परिवार के राजा संजय विक्रम शाह को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। गिरफ्तारी कोर्ट से निर्गत वारंट के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरीनगर गोला बाजार निवासी रजत तुलसन ने संजय विक्रम शाह समेत आठ अन्य लोगों के विरुद्ध न्यायालय में परिवाद दायर किया था। न्यायालय के आदेश के आलोक में रामनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि जमीन की धेराबंदी एवं चापकल लगाने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इसी क्रम में आरोपियों द्वारा मारपीट किए जाने, बंधक बनाकर रखने तथा रंगदारी के रूप में रुपये लेने का गंभीर आरोप लगाया गया है। पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि मामले में भूमि विवाद, रंगदारी, मारपीट एवं एक अन्य प्रकरण से संबंधित आरोपों की जांच की जा रही थी। इसी बीच न्यायालय से संजय विक्रम शाह के विरुद्ध वारंट निर्गत हुआ, जिसके आधार पर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

महज 9 हजार घूस लेता सरकारी अभियंता गिरफ्तार



नवप्रदेश, मुजफ्फरपुर: जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' अभियान के तहत आज विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। साहेबगंज नगर परिषद में तेनात कनीय अभियंता (जूनियर इंजीनियर) अमन कुमार को 9,000 रुपये रिश्तव लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। जिले में भ्रष्टाचार के विरुद्ध पिछले तीन दिनों में यह तीसरी बड़ी कामयाबी है। इससे पूर्व एसवीयू की टीम ने जिला कृषि पदाधिकारी और फिर एक सब-डाइरेक्टर को रिश्तव लेते पकड़ा था। **पेवर ब्लॉक लगाने के भुगतान में चाहिए धी घूस** : साहेबगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 12 के निवासी राजकुमार तिवारी ने पटना स्थित विशेष निगरानी इकाई में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनके क्षेत्र में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य किया गया था, जिसके भुगतान और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के पवज में कनीय अभियंता अमन कुमार

बेलदौर में जदयू प्रखंड अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न, संजय सिंह कुशवाहा लगातार तीसरी बार निर्वाचित

नवप्रदेश, बेलदौर : जनता दल (यूनाइटेड) के संगठनात्मक निर्वाचन कार्यक्रम के तहत बेलदौर प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में चुनाव शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्व निर्धारित अधिसूचना के अनुरूप कराई गई। चुनाव की देखरेख जिला निर्वाचन पदाधिकारी शम्भू झा तथा जिला पर्यवेक्षक मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्श में प्रखंड निवासी पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं प्रखंड निर्वाचन पर्यवेक्षक आचार्य राकेश राकेश पासवान शास्त्री की उपस्थिति में की गई। पूरी प्रक्रिया संगठनात्मक

आज शनिवार को सांसद सुदामा प्रसाद शाहपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में जानता के बीच करेगें जनसंवाद

नवप्रदेश, शाहपुर: प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को आरा सांसद सुदामा प्रसाद जानता की समस्याओं को लेकर लगायेगें जानता दरबार। रु ब रु मुलाकात कर बारी बारी से की उनकी समस्याओं से अवगत होकर निदान को लेकर अधिकारी को पहल करेगें। विभिन्न तरह के संबंधित अधिकारी मौजूद रहेगें। जनसंवाद सुनवाई से आम लोगों

रतनपट्टी में पुलिस छापेमारी: भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार



नवप्रदेश, सूर्यपुरा : थाना क्षेत्र के रतनपट्टी गाँव में शुक्रवार को छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा मे अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव के नेतृत्व मे गुप्त सूचना के आधार पर रतनपट्टी गाँव निवासी भोला सिंह के घर मे हुई छापेमारी मे घर छाुकर रखा गया 8 पी एम 180 एमएल का दस पेट्टी अर्थात 470 पीस तथा रॉयल चेलेंज 750 एम एल का एक पीस,ओल्ड मांक 750 एम एल का पांच पीस,ट्रेटा डिस्की 2 पीस,लैंड लोवर रम 750 एम एल का एक पीस,रॉक फोर्ड 750 एम एल का एक पीस आदि जप्त किया है।इस दौरान पुलिस ने शराब तस्कर रतनपट्टी गाँव निवासी भोला सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।सूर्यपुरा,दावथ, दिनारा,नटवार

बिहार के 28 विधायकों की समाप्त हो सकती है सदस्यता, पटना हाईकोर्ट ने थमाया नोटिस

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: बिहार के 28 विधायकों की सदस्यता समाप्त हो सकती है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव में विजयी उम्मीदवारों के निर्वाचन को चुनौती देनेवाली याचिकाओं पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने हलफनामे में गलत जानकारी देने के आरोप में 28 विधायकों को नोटिस जारी किया है। 10 अन्य विधायकों के खिलाफ सुनवाई चल रही है। वर्ष 2025 में हुए चुनाव के बाद अलग-अलग मनीज-कैड पार्टीयों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने निर्वाचन क्षेत्र से जीते उम्मीदवारों के खिलाफ हाईकोर्ट में 40 चुनाव याचिकाएं दायर की हैं। हाईकोर्ट ने न्यायमूर्ति शशि भूषण प्रसाद सिंह और न्यायमूर्ति अशोक कुमार पांडेय को चुनाव याचिकाएं लेने के लिए अधिकृत किया था। सभी 40 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद

नवनिर्वाचित विधायकों को नोटिस जारी किया गया। पिछले विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि 38 विधायकों ने नामांकन पत्र भरने के दौरान दिए गए हलफनामे में सही जानकारी नहीं दी है। किसी निर्वाचित विधायक पर आपराधिक इतिहास को छुपाने तो किसी पर शपथपत्र में संपत्ति की जानकारी सही नहीं होने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदान और मतगणना में अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाते हुए इनका निर्वाचन रद्द करने की मांग की गई है।

ये प्रमुख आरोप

- आपराधिक इतिहास छुपाया
- संपत्ति का सही ब्योरा नहीं दिया
- मतदान में गड़बड़ी की गई
- मतगणना में अनियमितता हुई

इन्हें भी **भेजा गया नोटिस** :

केवीके माधोपुर में दो दिवसीय 'कृषि यंत्रीकरण मेला का उप विकास आयुक्त ने किया शुभारंभ

नवप्रदेश, बेतिया: जिला कृषि कार्यालय, बेतिया एवं कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय 'कृषि यंत्रीकरण मेला' का शुभारंभ हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह एवं सरफराज असाफ, जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिला विकास आयुक्त ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने कहा कि बरलते परिवेश में खेती को लाभ का सौदा बनाने के लिए मशीनीकरण अनिवार्य है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, परंपरागत खेती में श्रम और वैज्ञानिकों के सहित्व के बिना खेती में विकास आयुक्त ने केंद्र में स्थापित विभिन्न तकनीक, हैप्री सीडर, जीरो टिलेज

कृष्णगढ़ पुलिस की बड़ी कामयाबी, देसी पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

नवप्रदेश, बड़हरा भोजपुर: कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सोहरा बाजार में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक युवक को देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। करवाई गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि करीब 12:00 बजे की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान मोहन कुमार रजक के पुत्र मंगर रजक के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और युवक को घर दबोचा। उससे पूछताछ की जा रही है। हथियार के स्रोत एवं संभावित उपयोग को लेकर जांच जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पटना हॉस्टल कांड: सस्पेंडेड एसआई से 4 घंटे तक क्या-क्या पूछी सीबीआई? पप्पू यादव ने पटना एसएसपी पर लगाए आरोप

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने जांच की रफ्तार बढ़ा दी है. टीम लगातार अलग-अलग एंगल से पड़ताल कर रही है. परिवार, पुलिस अफसरों और संबंधित लोगों से दोबारा पूछताछ की जा रही है. उइकटीम ने छात्रा के एक अन्य मामा से जहानाबाद में पूछताछ की. मामी से गया में बात की गई. अधिकारियों ने घटनाक्रम की टाइमलाइन समझने की कोशिश की. परिवार से जुड़े हर व्यक्ति से अलग-अलग सवाल किए जा रहे हैं. **निलंबित एसआइ हेमंत झा से 4 घंटे सवाल-जवाब**

कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से गुरुवार को करीब चार घंटे तक पूछताछ हुई. एफएस्पएल रिपोर्ट के बाद सबूत जुटाने में लापरवाही के आरोप में उन्हें सस्पेंड किया गया था. इसी मामले में निचंगुलनगर थाने की थानेदार रोशनी कुमारी भी निलंबित हैं. जांच एजेंसी यह जानना चाहती



देवर्घात देवी उर्फ देवर्घात यादव, माधव आनंद, अजय कुमार, राजेश कुमार सिंह, फैसल रहमान, ऋतुराज कुमार, अभिषेक रंजन, मनोज बिस्वास, कौशल किशोर, संदीप सौरभ, डॉ. सुनील कुमार, जितेंद्र कुमार, बाबूलाल शौर्य, सुबेदार दास, इंद्रजीत प्रसाद गुप्ता, संतोष कुमार सिंह यादव, रंगीता कुमारी, चेतन आनंद, कविता देवी, हरि नारायण सिंह, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, नीतेश कुमार सिंह, अभिषेक आनंद, विनय कुमार चौधरी, अनिता, मो

तौफिस आलम, बशिष्ठ सिंह, अमरेंद्र कुमार।
इनके खिलाफ भी याचिका

विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, मंत्री रमा निषाद, राज कुमार राय, जिवेश कुमार, शुभानंद मुकेश, विनोद नारायण झा, बैद्यनाथ प्रसाद, रविेश कुमार और विजय कुमार उर्फ विजय सिंह।

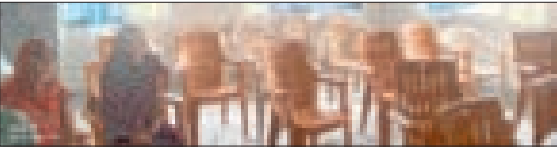
इनके खिलाफ दो याचिकाएं

अजय कुमार और राजेश कुमार सिंह आरोप साबित हुए तो समाप्त हो सकती है सदस्यता पटना हाईकोर्ट के वकील एसबीके मंगलम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में आदेश दिया है कि चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आपराधिक इतिहास की सही जानकारी देनी है। नामांकन पत्र के साथ जो शपथपत्र

रांची, शनिवार, 21 फरवरी, 2026

संक्षिप्त खबरें

झाखरा लस दू में प्रशिक्षण के नाम पर खानापूर्ति



नवप्रदेश, नौतन : बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा लोक भागीदारी एवं मीडिया संभाग अंतर्गत विद्यालय शिक्षा समिति के छह सदस्यों का तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्य शुरू हुआ है। जो प्रशिक्षण संकुल स्तर पर परियोजना परिषद के निदेशानुसार पुर्वाह 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक संचालित करना है जबकि शुक्रवार को झाखरा संकुल के प्रशिक्षण केंद्र राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 12 : 30 बजे तक संचालित नहीं होने का मामला प्रकाश में आया है।इस बावत पंचायत की मुखिया

छत्रपति शिवाजी की जयंती मनाने पर हुआ कार्यक्रम



नवप्रदेश, बेतिया : स्थानीय नगर थाना क्षेत्र में अवस्थित पटेल नगर में, पटेल समाज के द्वारा पटेल गार्डन बेतिया में,छत्रपति शिवाजी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इसअवसर पर उपस्थित महानुभावों के बीच रहे सेवानिवृत्ति डीएसपी, रामदास बौद्ध,प्रख्यात कवि और चितक,गोरख प्रसाद मस्ताना,मिसाइल इंजीनियर सह जदयू नेता,विजय कश्यप के साथ साथ नंदलाल पटेल ने शिवाजी महाराज की जीवनी पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला,इसअवसर पर उपस्थित सभी महानुभावों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए,साथ ही

जिला स्तरीय विज्ञान दिवस पर उत्कर्मित माध्यमिक उच्च विद्यालय नारायणपुर के दो छात्रों को मिला सम्मान पत्र



नवप्रदेश, अगिआंव : जिला स्तरीय विज्ञान दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में भाषण प्रतियोगिता वि्वज प्रतियोगिता निबंध लेखन प्रतियोगिता कराया गया। जिला स्तरीय निबंध भाषण प्रतियोगिता में नारायणपुर माध्यमिक उच्च विद्यालय के दो छात्रों को निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय आयोजित प्रतियोगिताओं में स्नेहा कुमारी पिता जवाहर लाल सिंह साहिल कुमार

नोआव गांव में नकली अंग्रेजी शराब निर्माण का उत्पाद विभागे ने किया खुलासा

नवप्रदेश, बिक्रमगंज: थाना क्षेत्र के नोआंव गांव में नकली अंग्रेजी शराब निर्माण का उत्पाद विभाग ने खुलासा किया है। मौके से काफी संख्या में अंग्रेजी शराब के खाली बोतल, ढक्कन रेपर और अन्य सामग्री बरामद की गई है। एक कार जप्त की गई है। इस मामले में उत्पाद निरीक्षक अजित कुमार द्वारा शुक्रवार को बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना मिला कि नोआंव श निवासी दीपक यादव, पिता खुमन यादव एक सफेद रंग का वार पहिया वाहन से शराब लेकर आरा की ओर लेकर जाते वाला है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहन गौंग के निकट मोतीवर्दी शुरू किया। पाया कि एक वाहन मोहन गौंग के पश्चिमी टोला मे बब्लू सिंह के घर के पास मुख्य सड़क पर एक कार खड़ी है। ग्रामीणों से पूछने पर पता चला कि यह गाड़ी नोआंव निवासी दीपक यादव की है। जो कि नोआंव गाँव का रहने वाला है कुछ देर पहले यहाँ पर इस वाहन को खड़ा करके गया है, उक्त वाहन की विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी के

बहुरहवा शिव मंदिर से चोरी हुई नंदी प्रतिमा तालाब में मिली

नवप्रदेश,सूर्यपुरा : बड़ा तालाब स्थित लगभग 200 वर्ष पुराने बहुरहवा शिव मंदिर से चोरी हुई नंदी प्रतिमा तीन दिन बाद पास के तालाब में फेंकी हुई अवस्था में मिली। ग्रामीणों ने तालाब में प्रतिमा को देख तालाब से

जदयू का प्रखंड अध्यक्ष बने पुन: बने धर्मंद कुमार यादव

नवप्रदेश, अगिआंव भोजपुर: प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रतिनिधि भवन में जदयू की समीआत्मक बैठक को लेकर प्रखंड स्तरीय चुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई। तुनाव पर्यवेक्षक श्रीकांत राम वह स्थानीय निर्वाचन प्रभारी श्रीभगवान शर्मा आयोजित चुनाव संपन्न हुआ।
सब सहमति से तिसरी बार प्रखंड अध्यक्ष धर्मंद कुमार यादव को पुन निर्वाचित घोषित किया गया निर्वाचन के बाद गौरीशंकर शर्मा ने कहा कि दायित्व का निर्वहन करने वाले हैं उचित मार्गदर्शन करते हैं। हमारे जो भी पार्टी के कार्यकर्ता हैं उनित मार्गदर्शन के साथ-साथ विस्तार व विकास की धराताल पर खड़ा उतरते हैं। इस दौरान कमलेश कुमार यादव उमेश कुशवाहा मोहन लाल रजक



अरविंद कुमार शम्भू नाथ सिंह एहसान अहमद विनोद कुमार सिंह केदार पटेल कामेश्वर सिंह विनोद सिंह यादव संजय सिंह समेत सभी पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित है।

और वहां चल रही प्रसार गतिविधियों की सगहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र न केवल तकनीकी जानकारी का स्रोत है, बल्कि यह क्षेत्र के किसानों के लिए एक 'प्रकाश स्तंभ' की तरह कार्य कर रहा है। उन्होंने वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण और तकनीक का लाभ गांव के अंतिम किसान तक पहुंचना चाहिए। साथ ही, उन्होंने स्थानीय आम की प्रजाति 'जरम' को जीआई टैग दिलाने के प्रयासों पर भी चर्चा की, ताकि चंपारण की धरती पर कृषि क्रांति का एक नया अवसर आए। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सहायक निदेशक (कृषि अभियांत्रिकी), केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. सौरभ दुबे, डॉ. जगपाल, डॉ. हर्ष बी.आर., डॉ. चैतुरी रमूल सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।



यंत्रीकरण के माध्यम से किसान न केवल समय की बचत कर सकते हैं, बल्कि उत्पादन लागत में कमी लाकर अपनी शुद्ध आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे सतर्क होकर दिए जा रहे भारी अनुदान का लाभ उठाएं और आधुनिक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। मेले में कृषि वैज्ञानिकों और जिला कृषि आयुक्त ने किसानों को ड्रेन तकनीक, हैप्री सीडर, जीरो टिलेज

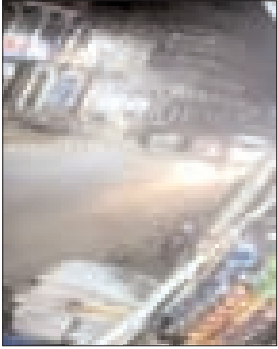
समस्तीपुर में लोजपा नेता पर अंधाधुंध फायरिंग

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

समस्तीपुर: फायरिंग की खबर पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किये हैं। सीसीटीवी की मदद से कुछ बदमाशों की पहचान हो गई है, जबकि बाकियों की पहचान की जा रही है। बिहार के समस्तीपुर में बेखोफ बदमाशों ने बीती रात लोजपा नेता पर फायरिंग की है। शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे उजले रंग की एक आल्टो कार व चार बाइक पर सवार होकर 8 से 10 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने लोजपा(रा) नेता सह सिनेमा घर संचालक के घर के बाहर उनपर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

गंभीर रूप से जख्मी हुआ शुभम सिंह

इस घटना में लोजपा नेता अदूं ईश्वर तो बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके साथ मौजूद उनका



साथी शुभम सिंह उर्फ ईशू गोली लगने से जख्मी हो गया था। हालांकि, सूत्रों का बताना है कि जवाबी फायरिंग कर बदमाशों को खदेड़ा गया है, जिसमें एक बदमाश को गोली लगने की भी सूचना है।

कार पर लिखा हुआ था इंडियन मोटर लॉर्निंग

बताया जा रहा है कि सफेद रंग की कार पर इंडियन मोटर लॉर्निंग लिखा हुआ था। ताबड़तोड़

पटना हॉस्टल कांड: सस्पेंडेड एसआई से 4 घंटे तक क्या-क्या पूछी सीबीआई? पप्पू यादव ने पटना एसएसपी पर लगाए आरोप



है कि शुरूआती कार्रवाई में क्या-क्या चुक चुकें।

CBI ने पूछे ये तीन बड़े सवाल

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने निलंबित एसआई से कई तीखे सवाल किए. उनमें ये तीन सवाल बेहद अहम रहे. सवाल 1: छात्रा के प्रभाव हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों जन्त नहीं किए गए? सवाल 2: कपड़े परिजनों तक कैसे पहुंचे? पुलिस को वे किस आधार पर दिए गए? सवाल 3: पोस्टमार्टम और ऋछ

रिपोर्ट में रेप की बात आने के बाद भी केस को सुसाइड कैसे माना गया? **पप्पू यादव का SSP पर हमला** पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पटना पुलिस पर निशाना साधा. उन्होंने लिखा कि SSP उन्हें बिहार आने से रोकना चाहते हैं. उनकी श्रेणी सुरक्षा में तैनात जवानों को जोड़कर देख रही है. सवाल यह है कि क्या शुरूआती जांच में गंभीर चूक हुई? या फिर किसी ने जानबूझकर दिशा बदलने की कोशिश की है।

पूछा कि मनीष को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों नहीं पकड़ा गया.

परिवार अब भी हॉस्टल पर अड़ा

छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार अपने पुराने आरोप पर कायम है. उनका कहना है कि घटना की सच्चाई पटना के शम्भू गर्लर्स हॉस्टल के अंदर ही छिपी है. परिवार शुरू से ही हॉस्टल प्रबंधन पर शक जता रहा है. उन्होंने कहा कि उइक ने पहले दिन परिवार से बात की थी. तब उन्हें सुझाव दिया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और चाईन को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाए.

जांच का फोकस अब क्या?

CBI अब मेडिकल रिपोर्ट, पुलिस की शुरूआती कार्रवाई और हॉस्टल प्रबंधन की भूमिका को जोड़कर देख रही है. सवाल यह है कि क्या शुरूआती जांच में गंभीर चूक हुई? या फिर किसी ने जानबूझकर दिशा बदलने की कोशिश की है।

कांग्रेस ने विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया



नई दिल्ली: कांग्रेस पार्टी ने विनोद जाखड़ को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसई) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। कांग्रेस के महासचिव केशी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के योगदान की सराहना की है। पार्टी ने उनके संगठन के लिए किए गए कार्यों की प्रशंसा की है। विनोद जाखड़ राजस्थान से आते हैं। वह पहले संगठन में राज्य स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति को संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

एआई शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक टेक सीईओ ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात



नवप्रदेश, नई दिल्ली: दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान दुनिया भर से आए प्रमुख मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रतिनिधिमंडलों ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में भारत के बढ़ते एआई परिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में इसकी भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, यह शिखर सम्मेलन भारत को वैश्विक एआई परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की

भारत-बांग्लादेश सीमा पर नाथुनपुर में अमित शाह ने ‘वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II’ का किया शुभारंभ

कछार (असम): केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कछार जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित नाथुनपुर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II’ का शुभारंभ किया। इस अवसर को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांव अब देश के विकास के नए केंद्र बनेंगे। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती गांवों को राष्ट्र के प्रथम गांव की नई पहचान देने की बात कही।

केन्द्रीय गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री ने असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत लगाए गए 20 स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल का भी अवलोकन किया और महिला उद्यमियों से संवाद किया। इन स्टॉलों में स्थानीय हस्तशिल्प, वस्त्र और अन्य उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि



यह पहल बराक घाटी की महिलाओं में आत्मनिर्भरता की बढ़ती भावना को दर्शाती है और ग्रामीण आजीविका को सशक्त

बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II’ के तहत असम के 9 जिलों के 140 गांवों, जिनमें कछार जिले के 11

गांव शामिल हैं, का समग्र विकास किया जाएगा। इन गांवों में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, बेहतर सड़क संपर्क और सतत

आजीविका के अवसर विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति, सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था और मजबूत दूरसंचार नेटवर्क सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों का आर्थिक सशक्तिकरण हो और राष्ट्रीय सुरक्षा भी मजबूत हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में असम उपेक्षा से सशक्तिकरण की ओर अग्रसर हुआ है और सीमावर्ती क्षेत्र अब विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप विकास के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने

केन्द्रीय गृहमंत्री का बराक घाटी की

पारंपरिक अस्मिता के प्रतीकों -

उत्तरिया, रोंगमैई नगा हस्तबुनी

शॉल तथा पारंपरिक मेतेई चटाई से

स्वागत किया, जो क्षेत्र की समृद्ध

सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।

एआई गवर्नेंस प्रगति पर ब्रेक नहीं, बल्कि समाधान का एक्सीलरेटर है : यूएन महासचिव

नई दिल्ली: दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विज्ञान आधारित एआई गवर्नेंस प्रगति पर ब्रेक नहीं, बल्कि समाधान का एक्सीलरेटर है। उन्होंने आगाह किया कि यदि एआई के लिए साझा वैश्विक मानक नहीं बने, तो दुनिया भर में नियमों का पैचवर्क तैयार हो जाएगा, जिससे लागत बढ़ेगी, सुरक्षा कमजोर होगी और असमानताएं गहरी होंगी।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने कहा कि स्पष्ट और भरोसा पैदा करने वाले नियम व्यवसायों को दिशा देते हैं, जिससे नवाचार सही रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ सकता है। विज्ञान आधारित शासन प्रगति को रोकता नहीं है,



बल्कि उसे अधिक सुरक्षित, निष्पक्ष और व्यापक रूप से साझा करने योग्य बनाता है।

एंटोनियो गुटेरेस जोर देकर कहा कि एआई के प्रभाव बच्चों की सुरक्षा, श्रम बाजार में बदलाव और बड़े पैमाने पर हेरफेर जैसे जोखिम का समय रहते आकलन जरूरी है, ताकि देश

अपने नागरिकों को तैयार कर सकें, उनकी रक्षा कर सकें और उनमें निवेश कर सकें।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने यह भी कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय सहयोग चुनौतीपूर्ण है, विश्वास कमजोर हुआ है और तकनीकी प्रतियर्धा बढ़ रही है। अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में

असंगत नीतियां और तकनीकी मानक लागू हैं। नियमों में इस तरह की असमानता से लागत बढ़ेगी, सुरक्षा कमजोर होगी और वैश्विक विभाजन गहरा होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि साझा बेंचमार्क तय हों, तो दिल्ली का कोई स्टार्टअप भी वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है और सुरक्षा मानक तकनीक के साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। विज्ञान मार्गदर्शन देता है, लेकिन निर्णय इंसान लेते हैं।

उन्होंने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों न्याय, स्वास्थ्य सेवाएं और ऋण में सार्थक मानवीय निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। लोगों को यह समझने और चुनौती देने का अधिकार होना चाहिए कि निर्णय कैसे लिए गए।

भारत पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल एआई इंपैक्ट समिट के दौरान हुए समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली: भारत ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एआई संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था को शक्ति देने वाले संपूर्ण तकनीकी ढांचे को सुरक्षित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई।



केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट के पांचवें दिन इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद कहा कि यह केवल एक औपचारिक हस्ताक्षर नहीं है, बल्कि भविष्य निर्माण का क्षण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत की वृद्धि को देखें तो कंपाउंडिंग ग्रोथ की ताकत स्पष्ट होती है। आज भारत के इंजीनियर दुनिया के सबसे उन्नत दो-नैनोमीटर चिप डिजाइन कर रहे हैं और

सेमीकंडक्टर उद्योग को लगभग दस लाख नए पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो भारत के लिए बड़ा अवसर है। अमेरिका के आर्थिक वृद्धि, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के अवर सचिव जेकब हेलबर्ग ने इस घोषणा को साझा भविष्य का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि पैक्स सिलिका पर हस्ताक्षर करके भारत और अमेरिका ने यह संदेश दिया है कि आर्थिक सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा है। हम भविष्य की संपूर्ण तकनीकी श्रृंखला को सुरक्षित कर रहे हैं। धरती के भीतर खनिजों

से लेकर प्रयोगशालाओं और फैब्स में सिलिकॉन वेफर्स तक और उस बुद्धिमत्ता तक जो मानव क्षमता को उजागर करेगी। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत की भागीदारी को रणनीतिक और आवश्यक बताया। पैक्स सिलिका 21वीं सदी की आर्थिक और तकनीकी व्यवस्था को परिभाषित करेगा। यह खनिज खदानों से लेकर चिप निर्माण फैब्स और डेटा सेंटर तक पूरी सिलिकॉन श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए बनाया गया है।

एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और ब्राजील के बीच कृषि सहयोग पर बनी सहमति

नई दिल्ली: दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान भारत और ब्राजील के कृषि मंत्रियों के बीच कृषि व्यापार और तकनीकी साझाकरण को लेकर व्यापक चर्चा हुई। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को एक्स पर कहा कि आज कृषि भवन में ब्राजील के कृषि मंत्री और उनकी टीम के साथ कृषि उत्पादों की बाजार तक पहुंच आसान बनाने, प्राकृतिक और जैविक खेती से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत हुई। भारत विशेष रूप से अपने अनार, लहसुन, अंगूर और किशमिश को ब्राजील के बाजारों में निर्यात करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।



उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ब्राजील की प्रसिद्ध संस्था ब्राजील की कृषि अनुसंधान निगम (एम्ब्रापा) के बीच सहयोग पर सहमति बनी है। दोनों संस्थाएं मिलकर प्राकृतिक

और जैविक खेती को बढ़ावा देंगी, जिसके लिए जल्द ही एक समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। भारत में जारी दलहन और तिलहन मिशन को मजबूती देने के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर भी विचार-विमर्श किया गया। ब्राजील ने एकीकृत कृषि प्रणालियों पर भारत के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है। मंत्री ने कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति के नेतृत्व में वरिष्ठ मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा भारत-ब्राजील संबंधों को और मजबूत करेगा। साथ ही उनका सहयोग भी मिलेगा।

एआई को विश्वसनीय डेटा और सार्वजनिक जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए: फडणवीस

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को विश्वसनीय डेटा, नैतिक शासन और सार्वजनिक जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए। फडणवीस ने यह बात भारत मंडपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में एआई मीट्स एग्रीकल्चर: बिल्डिंग फूड सिक्वोरिटी एंड क्लाइमेट रेंजिलिएंसड्व विषयक विशेष सत्र में कही। उन्होंने कहा, एआई की सफलता इसके 'जादू' में नहीं, बल्कि इसकी नैतिकता में है।

उन्होंने कहा कि भारत का एआई मिशन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पारदर्शिता, समावेशिता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना है। कृषि इस एआई मिशन के केंद्र में होनी चाहिए क्योंकि आज करीब 5 करोड़ भारतीय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर हैं। छोटे किसानों के



लिए एआई अति-स्थानीय मौसम पूर्वानुमान, कीट नियंत्रण और सटीक सिंचाई के जरिए खेती की तस्वीर बदल सकता है।केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि केंद्र सरकार एक एकीकृत एआई-संचालित प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है। उन्होंने 'महाविस्तार' जैसे प्लेटफॉर्म का जिक्र करते हुए कहा कि अब किसानों को सामान्य डेटा के बजाय उनकी 'किसान आईडी'

के आधार पर उनके खेत और फसल के लिए विशिष्ट सलाह दी जाएगी, जो केवल एक बटन या आवाज के माध्यम से उपलब्ध होगी। विश्व बैंक समूह के उपाध्यक्ष जोहान्स जुट ने भारत की सराहना करते हुए कहा कि यदि भारत कृषि क्षेत्र में एआई का सफल प्रयोग करता है, तो यह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बनेगा। उन्होंने इसे छोटे किसानों के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण करार दिया। एमएस

स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने आगाह किया कि एआई के एल्गोरिदम इस तरह तैयार होने चाहिए कि महिला किसान और हाशिए पर पड़े समूह पीछे न छूट जाएं। कोई भी तकनीक अपने आप में अमीर या गरीब हिस्से नहीं होती, यह उसके उपयोग के तरीके पर निर्भर करता है। इस सत्र में सामूहिक रूप से एक साझा अनिवार्यता पर जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

मेन्श आर्थर ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात



नई दिल्ली: पेरिस की एक प्रमुख कंपनी मिस्ट्रल एआई के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर्थर मेन्श ने यहां उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को मुलाकात की। इस उच्चस्तरीय बैठक में एआई तकनीक के सामाजिक और आर्थिक पहलुओं पर गहराई से चर्चा की गयी। मेन्श यहां भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में हिस्सा लेने के लिए

आए हुए हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पोस्ट में बताया कि इस बैठक में उन्होंने मेन्श के साथ मिलकर एआई का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक कल्याण तथा आम आदमी की समस्याओं के समाधान के लिए करने पर जोर दिया। इसके अलावा भारत में एआई क्षेत्र में तेजी से हो रही वृद्धि को गति देने वाले मजबूत एआई प्रतिभा भंडार पर भी चर्चा हुई।

बिटकॉइन घोटाला मामले में राज कुंद्रा को मिली जमानत

मुंबई: बिटकॉइन घोटाले से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए मुंबई की विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और मशहूर बिजनेसमैन राज कुंद्रा जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट पर सज़ान लेते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत सुत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिटकॉइन घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में ईडी ने दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा और राज कुंद्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी आरोप पत्र को सज़ान लेते हुए अदालत ने राज



कुंद्रा और दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा को समन जारी किया था और दोनों को 19 जनवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज कुंद्रा तय समय पर पेश नहीं हो पाए थे। आज इस मामले की हो रही सुनवाई के दौरान राज कुंद्रा अपने वकील प्रशांत पाटिल के साथ अदालत में पेश हुए थे। इसके बाद राज कुंद्रा के वकील ने आज दोपहर 3 बजे राज कुंद्रा की तरफ से जमानत याचिका दायर की गई थी।

अमित शाह पर आपतिजनक टिप्पणी वाले मानहानि केस में राहुल गांधी ने दर्ज कराया अपना बयान

सुलतानपुर : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में मानहानि केस का सामना कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को स्थानीय एमपी /एमएलए कोर्ट में अपने बयान दर्ज कराए। राहुल गांधी ने इस केस को सख्ती लोकोप्रियता का मामला बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी शुक्रवार की सुबह 9:30 बजे के आसपास लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से पूर्वान्व एक्सप्रेस व होते हुए 10:50 बजे सीधे स्या कोर्ट पहुंचे। राहुल गांधी ने स्थानीय एमपी एमएलए कोर्ट में 313 के तहत अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि सख्ती लोकोप्रियता के लिए मुझ पर साजिशण केस किया गया है। इस दौरान कोर्ट में वे 20 मिनट रुके। इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 9 मार्च की तिथि नियत की है। राहुल गांधी आज ही



वापस लखनऊ जाएंगे। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष अजय राय एवं वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी भी मौजूद रहे।दरअसल, कोवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अक्टूबर 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मिश्रा ने आरोप लगाया था कि अगस्त 2018 में कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर आपतिजनक टिप्पणी की थी।

कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती जुलूस पर पथराव, स्थिति नियंत्रण में

बागलकोट (कर्नाटक) : कर्नाटक के बागलकोट शहर में गुरुवार रात छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव की घटना से तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना शहर के किल्ला ओपी क्षेत्र में उस समय हुई जब जुलूस एक मस्जिद के समीप पहुंचा था। आरोप है कि इस दौरान दो पथर जुलूस पर आकर गिरे, जिसके बाद माहौल बिगड़ गया। इस घटना में में हिंदू कार्यकर्ता प्रकाश अरकरे की सिर में चोट आई। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान सजी बाजार क्षेत्र में तीन

टेलागाड़ियों में आग लगा दी गई। प्रभावित व्यापारी जन्नतबी दोहमनी ने बताया कि उनकी टेलागाड़ी जलकर राख हो गई, जिसमें नकदी समेत सारा सामान नष्ट हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। बागलकोट के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोखले ने बताया कि हालात पर काबू पा लिया गया है। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना से संबंधित वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली के साथ चुनावी गठबंधन करने से आरपीपी का इनकार

काठमांडू : नेपाल में 05 मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने पूर्व प्रधानमंत्री ओली के साथ किसी भी तरह का गठबंधन करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके साथ गठबंधन बनाने का चुनाव लड़ना राजनैतिक भूल होगा। झापा 3 से प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रहे आरपीपी के अध्यक्ष लिंगदेन ने कहा कि पिछले तीन चुनाव में झापा 5 निर्वाचन क्षेत्र से केपी ओली अपने अकेले दम पर नहीं, बल्कि आरपीपी के समर्थन से ही चुनाव जीतते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब पहली बार संविधान सभा के निर्वाचन में ओली आरपीपी का समर्थन नहीं था, तो वो पराजित हो गए थे।

उसके बाद हुए दूसरे संविधान सभा के निर्वाचन से लेकर 2017 और 2022 के प्रतिनिधि सभा निर्वाचन में आरपीपी के समर्थन से ओली लगातार उस क्षेत्र से चुनाव जीतते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि झापा-५ निर्वाचन क्षेत्र में अब आरपीपी किसी भी तरह का गठबंधन या तालमेल नहीं करेगा और वह अपनी ताकत में जीत हासिल करेगी। आरपीपी इस बार के चुनाव में ओली के चुनावी गठबंधन के प्रस्ताव आया था, जिसे उन्होंने खारिज कर दिया है। आरपीपी के चुनावी गठबंधन से इनकार के बाद इस बार झापा 5 से ओली की मुश्किल और अधिक बढ़ गई है।

अवामी लीग पर प्रतिबंध को लेकर शेख हसीना के बेटे ने उठाए सवाल, अध्यादेश की वैधता पर बहस तेज

वॉशिंगटन : बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र सजीब वाजेद ने अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर अंतरिम सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि नई पीएनपी-नेतृत्व वाली सरकार के सामने 30 दिनों की सैधानिक समय-सीमा है, जिसके भीतर उसे इस अध्यादेश पर फैसला करना होगा। वाजेद ने एक बयान में कहा कि अंतरिम सरकार ने एंटी टेररिज्म एक्ट 2009 में संशोधन करने के लिए एक नया अध्यादेश जारी

किया, जिससे उसे किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार मिल गया। इसी आधार पर एस.आर.ओ. 137एआईएन/2025 जारी कर अवामी लीग पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 93(2) का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी अध्यादेश को नई सरकार के गठन के बाद संसद के पहले सत्र में पेश करना अनिवार्य है। यदि 30 दिनों के भीतर संसद उस अध्यादेश को कानून के रूप में पारित नहीं करती, तो वह स्वतः निरस्त हो जाएगा।